हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

# मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 200 बेमेतरा, शनिवार 14 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

**चिंचक न्यूज**

## 228 करोड़ के ऋण धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने अनिल अंबानी के पुत्र से की पूछताछ

**नयी दिल्ली।** केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और अन्य के खिलाफ दर्ज 228 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी के मामले में अनिल अंबानी के पुत्र जय अनमोल अंबानी का बयान दर्ज किया। यह मामला पिछले साल छह दिसंबर को दर्ज किया गया था। इस मामले में जय अनमोल अंबानी, रवींद्र सुधालकर सहित अज्ञात व्यक्तियों और अज्ञात लोक सेवकों को आरोपी बनाया गया है। जांच एजेंसी ने जय अनमोल अंबानी को दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय में जांच में शामिल होने के लिए तलब किया था। एक वरिष्ठ सीबीआई अधिकारी ने कहा, जय आज जांच अधिकारी के सामने पेश हुए और उनसे करीब 6.5 घंटे तक पूछताछ की गयी।

## फारूक के खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट वापस लिया

**श्रीनगर।** श्रीनगर की एक अदालत ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन 'घोटाले' के सिलसिले में पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के

खिलाफ पहले जारी किये गये गैर-जमानती वारंट को वापस ले लिया है। अदालत ने अब्दुल्ला के अधिवक्ता इश्तियाक खान द्वारा कार्यवाही में उनकी अनुपस्थिति का कारण बताते हुए एक आवेदन दायर करने के बाद यह निर्णय लिया। खान ने अदालत को बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री एक दिन पहले जम्मू में उन पर हुए 'कातिलाना हमले' से सदमे के कारण सुनवाई में शामिल नहीं हो सके हैं। खान ने दलील दी कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष इस घटना के बाद की स्थितियों के कारण शारीरिक रूप से या वर्चुअल मोड के माध्यम से पेश होने में असमर्थ थे।

## अमेरिका ने ईरान में 6,000 ठिकानों पर हमला करने का दावा किया

**वाशिंगटन।** अमेरिका ने दावा किया है कि उसने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दौरान ईरान में 6,000 ठिकानों पर हमला किया है। अमेरिका के केंद्रीय कमान की ओर से जारी किए गये नये आंकड़ों के अनुसार अमेरिका ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दौरान ईरान में 6,000 ठिकानों पर हमला किया है। इस अभियान के लगभग 60 जहाज़ और 30 बारूदी सुरंगें बिछाने वाले ईरान जहाज़ों नुकसान पहुंचाया है या उन्हें नष्ट कर दिया है।

# भारतीय संस्कृति में धरती को मां का दर्जा, प्रकृति संरक्षण हमारी परंपरा : मुख्यमंत्री

## ग्रीन इकोनॉमी के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ देश की अर्थव्यवस्था का पावर इंजन है और अब हमारा राज्य ग्रीन इकोनॉमी के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित दूसरे छत्तीसगढ़ हरित शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ हरित सम्मेलन की उपयोगिता इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि इसके माध्यम से पॉलिसी मेकिंग से जुड़े लोग, उद्योग जगत, शैक्षणिक संस्थान, शोधकर्ता और पर्यावरणविद एक मंच पर आकर महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु संकट लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में यह आवश्यक है कि हम पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर केवल चिंतन ही न करें, बल्कि उन्हें व्यवहार में भी उतारें। मुख्यमंत्रीसाय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार हमेशा से विरासत के साथ विकास की पक्षधर रही है। पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली हमारी हजारों वर्षों पुरानी परंपरा रही है और उसकी रक्षा के लिए सरकार नीतिगत स्तर पर लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में स्टील उत्पादन का एक बड़ा केंद्र है और इस क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए ग्रीन स्टील जैसे नवाचारों को अपनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर सम्मेलन में प्रस्तुत शोधों के संकलन पर आधारित पुस्तक एब्स्ट्रेक्ट, सम्मेलन की प्रमुख चर्चाओं पर आधारित हाइलाइट्स ऑफ द समिट तथा जनजातीय कहानियों और परम्पराओं पर आधारित पुस्तक कथा कंथली का विमोचन किया। इस अवसर पर मेघालय के लोकायुक्त सी पी मारक, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल, पीसीसीएफ व्ही श्रीनिवास राव, विबग्योर फाउंडेशन के अध्यक्ष शंखदीप चौधरी, विषय विशेषज्ञ, प्रोफेसर, प्रबुद्धजन, स्कॉलर और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

### आवरण वृद्धि के मामले में छग ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किय

मुख्यमंत्री ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023 के अनुसार संयुक्त वन एवं वृक्ष आवरण वृद्धि के मामले में छत्तीसगढ़ ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार की नीतियों के साथ-साथ प्रदेशवासियों की जागरूकता और पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का परिणाम है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि राज्य की नई औद्योगिक नीति में हरित पहल पर विशेष जोर दिया गया है और इस दिशा में कार्य करने वाले उद्योगों को विशेष रियायतें भी दी जा रही हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट के मंच से प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने तथा इसकी शुरुआत स्वयं से करने का आह्वान किया।

### भारत की संस्कृति में धरती को मां का दर्जा दिया

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में सोलर रूफटॉप योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को ऊर्जादाता बनाया जा रहा है और बायो-एथेनॉल जैसे क्षेत्रों में भी निवेश की व्यापक संभावनाएं उभर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान चलाकर लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति में धरती को मां का दर्जा दिया गया है, इसलिए संसाधनों का उपयोग करते समय पर्यावरण और धरती के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू की है, जिससे समय और संसाधनों की बचत होने के साथ-साथ कागज के उपयोग में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजातीय बहुल राज्य है और लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है। श्री साय ने बताया कि वनांचल में वृक्षों को सरना (देवता) के रूप में पूजा जाता है और सरना को राजस्व रिकॉर्ड में भी देवस्थल के रूप में दर्ज किया गया है।

# ग्रामीणों को राजस्व कार्यों के लिए नहीं जाना पड़ेगा दूर

## देवगढ़ बनेगा उप तहसील, मंत्री ने की घोषणा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा में सरगुजा जिले के उदयपुर क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने विधानसभा में देवगढ़ में उप तहसील स्थापित किए जाने की घोषणा की। यह

निर्णय उदयपुर क्षेत्र सहित देवगढ़ और आसपास के ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत और उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि लंबे समय से उदयपुर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों द्वारा देवगढ़ में उप तहसील की स्थापना की मांग उठाई जा रही थी। अब इस मांग के पूरा होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को राजस्व और प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर-दराज के कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पडेगा।

देवगढ़ में उप तहसील बनने से क्षेत्र के ग्रामीणों को नामांतरण, सीमांकन, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, भू-अभिलेख संबंधी कार्यों सहित अन्य राजस्व सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी। इससे न केवल आम लोगों का समय और खर्च बचेगा, बल्कि प्रशासनिक कामकाज भी अधिक सुगम और प्रभावी ढंग से संचालित हो सकेगा। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे उदयपुर क्षेत्र की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और ग्रामीणों को शासन की सेवाओं का लाभ और अधिक सहजता से प्राप्त हो सकेगा। देवगढ़ में उप तहसील की स्थापना को उदयपुर क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे क्षेत्र में प्रशासनिक पहुंच बढ़ेगी और विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी।

### अलसी के बीज उत्पादन में गड़बड़ी की होगी जांच

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने विधानसभा में रायगढ़ जिले में अलसी के बीज उत्पादन में गड़बड़ी की जांच कराने की घोषणा पूर्व मंत्री व विधायक उमेश पटेल समेत कांग्रेस विधायकों की घेराबंदी के बाद की। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने पूछा कि इसमें एमडी का नाम आ रहा है तो किस स्तर के अफसर से जांच कराएंगे। मंत्री नेताम ने कहा कि सक्षम अफसर से कराएंगे। प्रश्न काल के दौरान में पटेल ने तारांकित प्रश्न के जरिए यह मामला उठाया था। उन्होंने लिखित उत्तर के हवाले से कहा कि रायगढ़ में अलसी उत्पादन के लिए किसानों को मानक बीज वितरित किए गए थे। किसानों ने 186.50 क्विंटल बीज उत्पादन किया था और विभाग ने 158.49 क्विंटल बीज रिजेक्ट कर दिया। यानी 85' रिजेक्ट किए गए। पटेल ने इसका कारण पूछा। मंत्री नेताम ने कहा कि यह सही है कि जितना उत्पादन मिलना था नहीं हुआ। इसका कारण उन क्षेत्रों के किसानों ने विलंब से बोनी की थी। और किसानों को पूरी तरह से प्रशिक्षित भी नहीं किया जा सका था।

## मुख्यमंत्री साय ने पूर्व विधायक मंगली बाई रावटे के निधन पर जताया गहरा शोक

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा के बजट सत्र के दौरान अविभाजित मध्य प्रदेश विधानसभा की पूर्व सदस्य मंगली बाई रावटे के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री

साय ने कहा कि स्वर्गीय मंगली बाई रावटे अत्यंत सरल, विनम्र और समाजसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व की धनी थीं। उन्होंने अपने जीवनकाल में समाज के लोगों के सुख-दु:ख में सदैव सहभागिता निभाते हुए सेवा और सहयोग की भावना से कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके व्यक्तित्व में मानवीय संवेदनाएँ, सामाजिक प्रतिबद्धता और सेवा का भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता था। उनके निधन से समाज ने एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व को खो दिया है, जिसकी कमी सदैव महसूस की जाएगी।

मुख्यमंत्री साय ने सदन की ओर से दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा परिजनों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें।

# लोकसभा में नहीं चला प्रश्नकाल

**नयी दिल्ली।** लोकसभा में शुक्रवार को भी विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा किया जिसके कारण अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्न काल शुरू होने के कुछ मिनट के भीतर ही सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित कर दी।

अध्यक्ष ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू किया विपक्षी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर हंगामा करने लगे। उन्होंने प्रश्न काल चलाने का प्रयास किया लेकिन सदस्यों ने शोर शराबा शुरू कर दिया।

बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा मैने पहले भी आग्रह किया था और आज फिर आग्रह कर रहा हूं कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है। आज भी

प्रतिपक्ष के आठ सदस्यों के प्रश्न सूचीबद्ध हैं। प्रश्नकाल में जहां देश के मुद्दे, क्षेत्र की समस्याएँ उठाई जाती हैं वही सरकार की जवाबदेही भी होती है इसीलिए मेरा आपसे आग्रह है कि सदस्यों को अपने प्रश्न रखने का मौका दें। जो सदस्य इस समय गतिरोध करना चाहते हैं यह संसदीय मर्यादा नहीं है। प्रश्नकाल के बाद आप जो मुद्दे उठाना चाहते हैं, उठा सकते हैं लेकिन प्रश्नकाल बाधित करना करना ठीक नहीं है।

हंगामा कर रहे सदस्यों को कड़ी चेतावनी देते हुए बिरला ने कहा सदन की मेजों पर चढ़ोगे तो करवाई होगी। सदन की पवित्रता चाहे संसद के परिसर के अंदर हो, चाहे संसद के बाहर हो संसद की पवित्रता, मर्यादा और प्रतिष्ठा बनाए रखने की सबकी जिम्मेदारी है और जिस तरीके का आचरण आप कर रहे हैं वह ठीक नहीं है।

हंगामा कर रहे सदस्यों से उन्होंने सवाल किया कि क्या आप सदन नहीं चलाना चाहते हैं। लेकिन जब सदस्यों ने उनकी बात नहीं मानी और हंगामा जारी रहा तो उन्होंने सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित कर दी।

## निर्दोषों को मारने वाले ईरानियों को मारना 'बड़ा सम्मान' : ट्रंप

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में उनके लिए उन ईरानियों को मारना एक बड़ा सम्मान है, जो 47 वर्षों से पूरी दुनिया में निर्दोष लोगों को मार रहे हैं।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, वे 47 वर्षों से पूरी दुनिया में निर्दोष लोगों को मार रहे हैं। और अब मैं अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में उन्हें मार रहा हूँ। ऐसा करना कितने बड़े सम्मान की बात है! उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरानी शासन को सैन्य, आर्थिक और अन्य तरीकों से पूरी तरह से नष्ट कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ईरान की नौसेना खत्म हो गई है, उनकी वायु सेना अब नहीं रही, मिसाइलें, ड्रोन और बाकी सब कुछ तबाह किया जा रहा है और उनके नेताओं को भी मिटा दिया गया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पास अद्वितीय मारक क्षमता, असीमित गोला-बारूद और पर्याप्त समय है। उन्होंने धमकी देते हुए कहा, देखो इन के साथ क्या होता है।

**मामूली राशि भी किसान को समय पर नहीं मिल पाती**

# फसल बीमा की राशि के भुगतान की समय सीमा तय करने की मांग उठी राज्यसभा में

**नयी दिल्ली।** प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसानों की बर्बाद फसलों की भरपाई के लिए दी जाने वाली प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की राशि के समय पर भुगतान का मुद्दा शुक्रवार को राज्यसभा में उठाया गया।

कांग्रेस के राजीव शुक्ला ने शून्य काल के दौरान यह मामला उठाते हुए कहा कि किसानों को फसल बीमा के नाम पर 10 रुपए से भी कम भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में तो यह राशि केवल तीन रुपए तीन तक होती है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को भुगतान पाने के लिए जटिल प्रक्रिया को पूरा करना पड़ता है और कई मामलों में उन्हें कोई ना कोई कारण बता कर भुगतान से मना कर दिया जाता है।

शुक्ला ने कहा कि सबसे हैरानी की बात यह है कि यह मामूली राशि भी किसान को

समय पर नहीं मिल पाती इसलिए उनकी मांग है कि फसल बीमा राशि के भुगतान के लिए एक समय सीमा निश्चित की जानी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के बृजलाल ने अर्धसैनिक बलों के जवानों और अधिकारियों को वीरता पदक के लिए दिए जाने वाले पदक भत्ते को बढ़ाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि वीरता के लिये दिये जाने वाले राष्ट्रपति पदक की पुरस्कार राशि को 3000 से बढ़कर 6000 किया गया था लेकिन वीरता के लिए पुलिस पदक की पुरस्कार राशि लंबे समय से 2000 रुपए से बढ़ाई नहीं गई है उन्होंने कहा कि इस राशि को बढ़ाकर 4000 किया जाना चाहिए।

आम आदमी पार्टी की स्वाति मालीवाल और राष्ट्रीय जनता दल के संजय यादव ने निजी अस्पतालों तथा बीमा स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मिली भगत का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ये उपभोक्ताओं का शोषण कर रहे हैं और उनके दावों की राशि का पूरा भुगतान नहीं कर रहे हैं। उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए सख्त कानून बनाए जाने की मांग की। बहुजन समाज पार्टी के रामजी ने खाद्य पदार्थों में मिलावट और फलों पर रसायन के छिड़काव तथा उन्हें पकाने के लिए हानिकारक रसायनों के इस्तेमाल पर रोक लगाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन रसायनों का स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जिसके कारण लोग बीमार हो रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के संजय सेठ ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी के पर्यटन स्थलों को यूनेस्को की धरोहर सूची में शामिल किए जाने के लिए नामांकन किए जाने की मांग की।

उन्हीं की पार्टी के बाबूभाई देसाई ने देश में बढ़ते त्वचा कैंसर के मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक और दीर्घ कार्यक्रम नीति बनाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जिला स्तर पर इसके लिए निदान केंद्र भी बनाए जाने चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के सुरेंद्रनगर ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो परियोजना का काम जल्द शुरू किए जाने की मांग की।

## केन्द्र ने आपदा प्रभावित छह राज्यों के लिए 1912 करोड़ रुपये की सहायता राशि मंजूर की

**नयी दिल्ली।** केन्द्र सरकार ने वर्ष 2025 में बाढ़, आकस्मिक बाढ़, बादल फटने , चक्रवात मोंथा और भूस्खलन से प्रभावित आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड तथा केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए 1,912.99 करोड़ रुपए की अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता को मंजूरी दी है।केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई एक उच्चस्तरीय समिति की बैठक में यह मंजूरी दी गयी।

गृह मंत्रालय ने एक वक्तव्य में बताया कि यह केन्द्रीय सहायता राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष से प्रदान की गई है, जो वर्ष की प्रारंभिक शेष राशि में उपलब्ध राज्य आपदा मोचन कोष के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है। मंजूर की गयी कुल राशि 1,912.99 करोड़ रुपए में से, आंध्र प्रदेश के लिए 341.48 करोड़ रुपए, छत्तीसगढ़ के लिए 15.70 करोड़ रुपए, गुजरात के लिए 778.67 करोड़ रुपए, हिमाचल प्रदेश के लिए 288.39 करोड़ रुपए, नगालैंड के लिए 158.41 करोड़ रुपए तथा जम्मू-कश्मीर के लिए 330.34 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

सरकार प्राकृतिक आपदाओं और विपत्तियों के समय राज्य सरकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। यह अतिरिक्त सहायता उस धनराशि से अतिरिक्त है जो केन्द्र सरकार द्वारा राज्य आपदा मोचन कोष के तहत राज्यों को पहले ही जारी की जा चुकी हैं और जो राज्यों के पास खर्च के लिए उपलब्ध हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, केन्द्र सरकार ने 28 राज्यों को राज्यों के कोष के तहत 20,735.20 करोड़ रुपए तथा 21 राज्यों को राष्ट्रीय कोष के तहत 3,628.18 करोड़ रुपए जारी किए हैं।

# माताओं को स्वास्थ्य और संबल देती प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

## मां और शिशु के सुखद भविष्य की ओर एक सशक्त कदम

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

मां बनना हर स्त्री के जीवन का सबसे सुखद और पवित्र अनुभव होता है। किंतु यह अनुभव केवल आनंद का नहीं, बल्कि अनेक जिम्मेदारियों और चुनौतियों का भी होता है। गर्भावस्था के दौरान स्त्री के शरीर और मन दोनों में परिवर्तन आते हैं। ऐसे समय में पौष्टिक आहार, उचित चिकित्सकीय देखभाल और मानसिक संबल की आवश्यकता होती है। लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं के लिए यह सब संभव नहीं हो पाता। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की शुरुआत की – जो गर्भवती माताओं के लिए एक संकल्प, संबल और वरदान के रूप में सिद्ध हुई है।

**योजना का उद्देश्य - हर मां को मिले पोषण, सुरक्षा और सम्मान**–प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का प्रमुख उद्देश्य है कि कोई भी गर्भवती महिला पोषण की कमी या आर्थिक अभाव के कारण अपने या अपने शिशु के स्वास्थ्य से समझौता न करे। इस योजना के तहत प्रथम गर्भावस्था में दो किश्तों के माध्यम से ?5000 की राशि डीबीटी के जरिए सीधे हितग्राही के बैंक खाते में जमा की जाती है। साथ ही पात्र बालिका जन्म पर अतिरिक्त 6000 की एकमुश्त राशि भी दी जाती है।

**देवरबीजा सेक्टर की माताएँ बन रही हैं योजना की मिसाल**–परियोजना बेरला के सेक्टर देवरबीजा-01 में सैकड़ों माताएँ इस योजना का लाभ प्राप्त कर रही हैं। इन्हीं में से एक हैं ग्राम पंचायत डंगनिया बी की श्रीमती मोनिका, जिन्होंने इस योजना के सहयोग से अपने जीवन में बड़ा परिवर्तन महसूस किया। श्रीमती मोनिका बताती हैं कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने मुझे न केवल आर्थिक सहायता दी, बल्कि मेरे और मेरे बच्चे के स्वास्थ्य का ध्यान रखने की हिम्मत और अवसर भी दिया। इस राशि से मैंने गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार लिया, डॉक्टर से नियमित जांच कराई और प्रसव के बाद बच्चे के पोषण पर ध्यान दिया। आज मैं और मेरा बच्चा दोनों स्वस्थ और प्रसन्न हैं।

**स्वावलंबन और जागरूकता का माध्यम बन रही योजना**–प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लाभार्थी अब अन्य गर्भवती महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं। श्रीमती मोनिका जैसी माताएँ अपने अनुभव साझा कर आसपास की महिलाओं को योजना की जानकारी दे रही हैं, ताकि वे भी समय पर पंजीकरण कर इसका लाभ ले सकें। यह योजना न केवल गर्भवती महिलाओं को आर्थिक संबल देती है, बल्कि उनमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास भी बढ़ाती है।

**सरकार का प्रयास ङ्क स्वस्थ मातृत्व, स्वस्थ भारत**–प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ÷स्वस्थ मां ङ्क स्वस्थ शिशु ङ्क स्वस्थ भारत÷ के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। जिला बेमेतरा में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक गर्भवती महिलाएँ इस योजना से जुड़ सकें और अपने मातृत्व को सुरक्षित एवं सुखद बना सकें।

# बैराज निर्माण से बढ़ेगा सिंचित रकबा, कृषि विकास की नई रणनीति पर चर्चा

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

जिले में कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों को मजबूत बनाने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र में शुक्रवार को अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त अध्यक्ष सुरेश कुमार चन्द्रवंशी ने की। इसमें कृषि, पशुपालन, मछली पालन और उद्यानिकी विभाग से जुड़े अधिकारियों ने भाग लेकर जिले में कृषि विकास की नई रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में कृषि विभाग के उप संचालक पी.एस. कुशरे, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख अरुण सकनी, पशुधन विकास विभाग के उप संचालक राजीव वर्मा, सहायक संचालक उद्यान रामचन्द्र राव, मछली पालन विभाग के दामोदर यालम सहित जल संसाधन, विद्युत, जिला विपणन और आबकारी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। चर्चा के दौरान जिले में कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग, किसानों तक शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन और कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि पशुपालन, मछली पालन और उद्यानिकी को भी किसानों की अतिरिक्त आय के मजबूत स्रोत के रूप में विकसित करने की जरूरत है। बैठक में जिले की नदियों पर बैराज निर्माण की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बैराज बनने से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और बड़ी मात्रा में कृषि भूमि को पानी मिल सकेगा। इससे खेती का रकबा बढ़ने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। बैठक के अंत में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और किसानों तक अधिकतम लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए।



# मासूम से दरिंदगी के खिलाफ सड़कों पर उतरा जनसैलाब, फांसी की मांग के साथ गूंजा पूरा शहर

**कांकेर/मूक पत्रिका**

कांकेर मानवता को शर्मसार करने वाली 6 वर्षीय मासूम बालिका के साथ कुछ दिन पहले हुई जघन्य दुष्कर्म की घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। इस वीभत्स अपराध के विरोध में और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए शुक्रवार, 13 मार्च को 'कांकेर वॉलंटियर्स' के नेतृत्व में एक विशाल 'आक्रोश रैली' निकाली गई। रैली में हजारों की संख्या में युवाओं, छात्रों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने शामिल होकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। शहर के मुख्य मार्गों से गुजरी आक्रोश रैली न्याय की मांग को लेकर यह रैली पीजी कॉलेज से प्रारंभ हुई।




प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां और बैनर लिए ÷मासूम को न्याय दो÷, ÷दरिंदों को फांसी दो÷ और ÷बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करो÷ जैसे गगनभेदी नारे लगा रहे थे। रैली घड़ी चौक, मस्जिद चौक और जिला अस्पताल मार्ग होते हुए सेन चौक पहुंची, जहां से पुनः घड़ी चौक पर आकर एक सभा के रूप में समाप्त हुई। समाज स्वीकार नहीं करेगा ऐसी हैवानियत' रैली का संचालन कांकेर वॉलंटियर्स के समन्वयक हर्ष कुमार डोंगरे और उप-समन्वयक रानू गुप्ता द्वारा किया गया। सभा को संबोधित करते हुए हर्ष कुमार डोंगरे ने भावुक स्वर में कहा कि यह घटना केवल एक परिवार का दर्द नहीं है, बल्कि पूरे समाज की आत्मा पर गहरा घाव है। जब 6 साल की मासूम बच्चियां भी सुरक्षित नहीं हैं, तो यह हम सबके लिए गंभीर चिंता का विषय है। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि ऐसे दरिंदों को समाज में रहने का कोई अधिकार नहीं है, उन्हें जल्द से जल्द फांसी की सजा दी जाए।÷ दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की मांग प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन और न्याय व्यवस्था से स्पष्ट मांग की है कि इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो ताकि पीड़िता को अविलंब न्याय मिल सके। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि ऐसी सजा मुकर्रर की जानी चाहिए जो भविष्य में किसी भी अपराधी के लिए मिसाल बने और कोई दोबारा ऐसी हैवानियत करने का साहस न कर सके। रैली के अंत में कांकेर वॉलंटियर्स ने एकजुटता दिखाने के लिए जिले के समस्त युवाओं, सामाजिक संगठनों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया। इस जन-आंदोलन ने साफ संदेश दिया है कि अन्याय और अत्याचार के खिलाफ कांकेर की जनता हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी।

# सारंगढ़ के कुटेला के गड्ढ़ो में फ्लाईएश डंपिग का मामला विधानसभा में गूंजा, सरकार ने कहा किसी को नहीं दी गई

**सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

सारंगढ़ के शासकीय लोचन प्रसाद पांड़े महाविद्यालय के समीप नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-1 कुटेला में आने वाला पुराना पत्थर खदान में फ्लाईएश भराव की अनुमति देने का मामला आज विधानसभा में गूंजा। सारंगढ़ विधायक श्रीमती उत्तरी जांगड़े ने कुटेला के पुराने पत्थर खदानो में फ्लाईएश भरने का अनुमति देने का मामला उठाया जिसमें पर्यावरण मंत्री ओ.पी.चौधरी ने बताया कि पुराने खदानो मे किसी भी प्रकार से फ्लाईएश भरने की कोई अनुमति नही दिया गया है। लेकिन मौके स्थल पर कुटेला में 2 लाख मिट्रिक टन फ्लाईएश का डंपिंग कार्य अभी भी चल रहा है। जिससे पर्यावरण बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। दरअसल सारंगढ़ के कुटेला क्षेत्र के पुराने पत्थर खदानों में फ्लाई ऐश की कथित अवैध डंपिंग को लेकर अब सियासी माहौल गरमा गया है। यह मामला छत्तीसगढ़ विधानसभा में उस समय प्रमुखता से उठा, जब सारंगढ़ की विधायक उत्तरी गनपत जांगड़े ने प्रश्न क्रमांक 1646 के माध्यम से सरकार से इस संबंध में जवाब मांगा। विधायक उत्तरी जांगड़े ने विधानसभा में प्रश्न उठाते हुए पूछा कि सारंगढ़ के कुटेला क्षेत्र की पुरानी पत्थर खदानों में आखिर किसकी अनुमति से फ्लाई ऐश डंपिंग की जा रही है। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि जल स्रोतों और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले उद्योगों, ठेकेदारों तथा अनुमति देने वाले अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है।इस पर वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने जवाब देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के कुटेला क्षेत्र की पुरानी खदानों में फ्लाई ऐश डंपिंग के लिए किसी भी प्रकार की अनुमति प्रदान नहीं की गई है। इसलिए इस संबंध में शेष प्रश्न उपस्थित नहीं होता। विधानसभा में सरकार के इस जवाब के बाद मामला और अधिक गंभीर हो गया है। यदि पर्यावरण विभाग द्वारा कोई अनुमति नहीं दी गई है, तो क्षेत्र में फ्लाई ऐश डंपिंग कैसे हो रही है। इससे प्रशासनिक लापरवाही अथवा अवैध गतिविधियों की आशंका भी व्यक्त की जा रही है।



**पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर खतरे की आशंका**–स्थानीय लोगों का कहना है कि फ्लाई ऐश डंपिंग से आसपास के जल स्रोतों, खेतों और पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका है। ग्रामीणों के अनुसार कई स्थानों पर फ्लाई ऐश से उड़ने वाली धूल के कारण लोगों की आंखों, फेफड़ों और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि फ्लाई ऐश से भरे डंपरों के आवागमन के कारण कई जगह दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिनमें लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। वहीं सारंगढ़ के डिग्री कॉलेज के छात्र भी इस प्रदूषित वातावरण में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध डंपिंग में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। विधानसभा में मुद्दा उठने के बाद यह मामला केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि प्रशासनिक और राजनीतिक जवाबदेही का विषय भी बन गया है। आने वाले समय में इस मुद्दे पर सियासत और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।अडानी पावर को मिला है 2 लाख मिट्रिक टन फ्लाईएश का काम

# आल इंडिया नेशनल सिविल सर्विस योगासन ट्रायल में जुगेंद्र प्रसाद साहू हुए शामिल



**बरमकेला/मूक पत्रिका**

ऑल इंडिया नेशनल सिविल सर्विस योगासन ह्यश्चश्वह्लह्य ट्रायल में संचनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायपुर छत्तीसगढ़ के आदेश क्रमांक में दिनांक 13/03/2026 को छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ट्रायल स्वामी विवेकानंद कोटा स्टेडियम के बैडमिंटन हॉल में हुआ जिसमे जुगेंद्र प्रसाद साहू प्रधान पाठक चांटीपाली वि ख बरमकेला जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ सम्मिलित हुए एवं 17 से 21 मार्च तक आयोजित होने वाली आल इंडिया नेशनल योगासन चयन हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना के बहुत बहुत बधाई जिला शिक्षा अधिकारी श्री जे आर डहेरिया जी को बहुत बहुत धन्यवाद जो तत्काल ठ्ठश्ष जारी कर योगासन खेल को बढ़ावा देने के लिए। निश्चित ही आने वाले दिनों में सारंगढ़ जिला शिक्षा एवं खेल में एक नए कीर्तिमान स्थापित करेगा सुभाष चौहान एवं नंदकिशोर पटेल जी का भी बहुत बहुत धन्यवाद जिनके प्रयास से ये संभव हो पाया।

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किश्त जारी की

## जिले के 73082 किसानों के खाते में 14.71 करोड़ राशि हस्तान्तरित

**सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी से पीएम-किसान योजना की 22वीं किश्त जारी की। इस अवसर पर देशभर के पात्र किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सम्मान राशि हस्तांतरित की गई। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत देश के लगभग 9.32 करोड़ किसानों के खातों में 18,650 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की जाएगी। सारंगढ़ङ्क बिलाईगढ़ जिले के 73082 पात्र किसानों को भी योजना का लाभ प्राप्त हुआ तथा उनके बैंक खातों में ? 2000 की सम्मान राशि, इसप्रकार जिले के 14.71 करोड़ राशि हस्तान्तरित की गई। कृषि विभाग द्वारा सभी विकासखंडों एवं ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला स्तर पर मंडी कार्यालय सारंगढ़ में किसान बैठक, जागरूकता कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव वेबकास्ट सामूहिक रूप से किया गया, जिसमें कुलकीत चंद्रा, प्रगतिशील कृषक परमेश्वर साहू और जगपाल पटेल सहित बड़ी किसान उपस्थित हुए। कार्यक्रम में किसानों को श्वल्पाहार दिया गया।




# रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित नक्सलियों को 16.80 लाख की प्रोत्साहन राशि

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

नक्सलवाद छोड़कर मुख्यधारा में लौटे युवाओं के पुनर्वास के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। कलेक्टर संबित मिश्रा ने छत्तीसगढ़ नक्सलवाद पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि जारी करने की स्वीकृति दी है। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित नक्सलियों को 10 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से एक माह की राशि सीधे उनके बैंक खातों में दी जाएगी, जबकि दो माह की राशि एक वर्ष की सावधि जमा (एफडी) के रूप में रखी जाएगी। इस क्रम में कुल 56 प्रशिक्षणार्थियों के लिए 16 लाख 80 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के आहरण एवं संवितरण को मंजूरी दी गई है। प्रशासन का उद्देश्य आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे सामान्य जीवन की ओर लौट सकें।



# गैस एजेंसी संचालकों को पर्याप्त आपूर्ति बनाये रखने व कालाबाजारी नहीं करने की समझाइश

**सारंगढ़-बिलाईगढ़,।** कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है, जिसमें खाद्य अधिकारी, सहायक खाद्य अधिकारी, नोडल आईओसीएल एवं समस्त गैस संचालक उपस्थित रहे। बैठक में समस्त गैस संचालक को निर्देश और समझाइश दिया गया कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की दैनिक उपयोग की पूर्ति हेतु पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराये जाने एवं किसी भी हितग्राहियों को परेशानियों का सामना करना न पड़े।

**छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ः बोर्ड परीक्षाएं जारी, शोर-शराबे के कारण परीक्षार्थियों की एकाग्रता भंग।**

# कलेक्टर के निर्देशों की अवहेलना : व्यापार मेला में बोर्ड परीक्षा के बीच ध्वनि यंत्रो का हो रहा उपयोग

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

शहर के कृषि उपज मंडी प्रांगण में 7 मार्च से आयोजित 9 दिवसीय व्यापार मेला पर सवाल खड़े होने शुरू हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं चल रही है। इस अवधि में व्यापार मेला के आयोजन को अनुमति दिए जाने से पालकों व आम जनों में खासी नाराजगी है। यहां कलेक्टर के निर्देशों की साफ अवहेलना की जा रही है । एक ओर जहां कलेक्टर प्रतिष्ठा मंगाई ने रात्रि 10 बजे के बाद से ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रोक लगाई हुई है। इसके विपरीत मंडी प्रांगण में आयोजित व्यापार मेला को अनुमति दिए जाने से जिला प्रशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारी संतोषजनक जवाब देने की स्थिति में नहीं है ।






**कलेक्टर के निर्देशों की अवहेलना** - 9 दिवसीय इस मेले में हर दिन रात्रि कालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होना है। यहां ध्वनि विस्तार की यंत्रों का उपयोग किया जा रहा है। ऐसी ऐसी स्थिति में बोर्ड परीक्षा के छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस आयोजन को अनुमति देने वाले अधिकारी ने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। कलेक्टर के आदेश के भी अवहेलना की गई है। इस संबंध में मंडी सचिव से जानकारी लेने पर उन्होंने कलेक्टर के आदेश पर मंडी ग्राउंड देने की बात कही है।

**परीक्षा के कारण स्वदेशी मेला को किया गया स्थगित** –छत्तीसगढ़ के कवर्धा एवं भिलाई में आयोजित होने वाले प्रदेश के सबसे बड़ा स्वदेशी मेला बोर्ड परीक्षा के कारण स्थगित कर तारीख आगे बढ़ाई गई। इसके विपरीत बेमेतरा के व्यापार मेला आयोजन में बोर्ड परीक्षा को नजर अंदाज किया गया। यहां बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने रात्रि 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रोक लगाई है। बावजूद यहां कलेक्टर के निर्देशों का खुला उल्लंघन हो रहा है। इस व्यापार मेले में नौ दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होना है । ऐसी स्थिति में बोर्ड परीक्षा के परीक्षार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी।

**पालकों में खासी नाराजगी**–पालक अपने बच्चों की पढ़ाई और खासकर परीक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं । कोलाहल से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है, इसलिए प्रशासन की ओर से इसे गंभीरता से लेते हुए रात्रि में ध्वनि विस्तार के अंतर्गत के उपयोग पर रोक लगाई जाती है। यहां ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग की अनुमति व्यापार मिला को किस अधिकारी के आदेश पर मिली। जिम्मेदार अधिकारी एक दूसरे पर मामला डालकर पल्ला झाड़ने में लगे हुए।

# सांभर शिकार मामले में 4 ग्रामीणों ने किया सरेंडर, गोमार्डा अभ्यारण्य के झीलगीटार का मामला..



**सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

जिले के गोमार्डा अभ्यारण्य वन परिक्षेत्र से सांभर शिकार मामले में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। कुछ दिन पहले सामने आए शिकार प्रकरण में चार ग्रामीणों ने वन विभाग के सामने सरेंडर कर दिया है। वन विभाग द्वारा चारों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार गोमार्डा अभ्यारण्य वन परिक्षेत्र बरमकेला के झीलगीटार जंगल में कुछ दिन पहले एक सांभर के अवशेष मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। घटना के बाद वन विभाग की टीम आरोपियों की तलाश में जुट गई थी और डॉग स्क्वाड की मदद से जंगल और आसपास के इलाकों में जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान डॉग स्क्वाड टीम गांव के एक संदिग्ध व्यक्ति निरंजन बरिहा पिता जलिंदर बरिहा के घर तक पहुंची। यहां उसके घर के सेप्टिक टैंक से सांभर के बाल और मांस बरामद किए गए थे। इसके बाद से वह फरार चल रहा था और वन विभाग लगातार उसकी तलाश कर रहा था। इसी बीच शुक्रवार को गांव में बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से इस मामले पर चर्चा की। ग्रामीणों का कहना था कि कुछ लोगों की इस हरकत से पूरे गांव की छवि खराब हो रही है। इसी को देखते हुए गांव के लोगों ने सराहनीय पहल करते हुए इस मामले में शामिल चार आरोपियों को वन विभाग के सुपुर्द कर दिया। वन विभाग द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों में निरंजन पिता जलिंदर बरिहा, गंगाराम पिता फगूलाल बरिहा, पंकज पिता बाबूलाल साहू और शत्रुजीत पिता धनसाय साहू शामिल हैं। चारों आरोपी ग्राम झिलगिटार के निवासी बताए जा रहे हैं। वन विभाग अब आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पूरी कर रहा है। मामले की आगे भी जांच जारी है।

# अवैध नशीली कैप्सूल बिक्री मामले में चांपा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2 आरोपी गिरफ्तार ..

**जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका**

पुलिस ने अवैध रूप से नशीली कैप्सूल की बिक्री के मामले में एंड टू एंड विवेचना के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 880 नग नशीली कैप्सूल, जिसकी अनुमानित कीमत 8,200 रुपये बताई गई है, बरामद की गई है। इससे पहले इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 10 फरवरी 2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल से दो व्यक्ति कोरबा की ओर से कोसमंदा गांव की तरफ आ रहे हैं, जिनके पास भारी मात्रा में नशीली कैप्सूल है। सूचना पर थाना चांपा पुलिस ने कोसमंदा रोड पर घेराबंदी कर पल्सर मोटरसाइकिल को रोका। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम रामकिशोर कश्यप और प्रदीप पटेल बताया।तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 469 स्ट्रीप में कुल 3,752 नग नशीली कैप्सूल (कीमत लगभग 34,813 रुपये), घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक छ्त्त 11 क्रू 2797, दो मोबाइल फोन और 200 रुपये नगद जब्त किए गए। दोनों आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में मामले की गहन विवेचना जारी रही। इसी क्रम में पुलिस ने प्रकाश चौहान और सुनील विश्वकर्मा उर्फ शिबू, दोनों निवासी कोरबा, को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में प्रकाश चौहान (32 वर्ष), निवासी जेपी कॉलोनी रामनगर कोरबा तथा सुनील विश्वकर्मर्मा उर्फ शिबू (27 वर्ष), निवासी रामसागर पारा वार्ड क्रमांक 2, थाना कोतवाली कोरबा शामिल हैं।

# कोतरा में गूंजेगा भक्ति का स्वरः श्री श्री राधा माधव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 22 से 25 मार्च तक





**बरमकेला/मूक पत्रिका**

जनपद पंचायत बरमकेला अंतर्गत ग्राम पंचायत कोतरा में श्री श्री राधा माधव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर पूरे गांव में उत्साह और भक्ति का माहौल बना हुआ है। 22 मार्च से 25 मार्च तक चार दिवसीय भव्य धार्मिक आयोजन का कार्यक्रम रखा गया है, जिसमें आसपास के गांवों सहित क्षेत्र के श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में शामिल होने की संभावना है।

आयोजन की यज्ञकर्ता विद्यावती राणा के नेतृत्व में समस्त ग्रामवासी इस पावन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियों में जुटे हुए हैं। मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत 22 मार्च को भव्य कलश यात्रा और अंकुरारोपण के साथ होगी। इस दिन गांव की महिलाएं और श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश लेकर पूरे गांव में भक्ति और श्रद्धा के साथ शोभायात्रा निकालेंगे। इसके बाद 23 मार्च को विधिवत पूजा-अर्चना का प्रारंभ होगा, जबकि 24 मार्च को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-पाठ और हवन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन 25 मार्च को पूर्णाहुति के साथ किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतिम दिन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी विशेष प्रस्तुति होगी। इस अवसर पर खैरगढ़ी और भठली (ओड़िसा) की प्रसिद्ध मंडलियों के बीच बैठकी कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। इसके साथ ही मेले का माहौल बनाने के लिए मीना बाजार और ओड़िसा अपेरा (नाट्य कार्यक्रम) का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों को धार्मिक आस्था के साथ मनोरंजन का भी अवसर मिलेगा। ग्राम पंचायत कोतरा में इस भव्य आयोजन को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। गांव के लोग एकजुट होकर तैयारियों में जुटे हैं और क्षेत्र के श्रद्धालुओं को भी इस पावन अवसर पर शामिल होकर धर्म लाभ लेने का आमंत्रण दे रहे हैं।

# कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने सड़क और आत्मानंद स्कूल भवन निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

**जर्जर भवन को तोड़ने और पुराने भवन का मरम्मत कर लाइब्रेरी बनाने के निर्देश**

**सरसीवा- सराईपाली रोड और सीसी सड़क निर्माण के गुणवत्ता का कलेक्टर ने की जांच**



**सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिक**

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने पीएमश्री आत्मानंद गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल सारंगढ़ के नवीन भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल परिसर के पास स्थित जर्जर भवन को डिसमेंटल करने तथा आसपास की झाड़ियों की सफाई कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पुराने भवन की मरम्मत कर उसे लाइब्रेरी के रूप में विकसित करने के लिए जल्द कार्य शुरू करने के निर्देश नोडल अधिकारी नरेश चौहान को दिए। कलेक्टर ने ग्राम टाटा बिलासपुर में निर्माणाधीन लगभग 1 किलोमीटर लंबी सीसी रोड का निरीक्षण किया। साथ ही 16 किलोमीटर तक बन रही सरसीवाङ्कसराईपाली रोड डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य का भी जायजा लिया।इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सड़क के किनारे नाली निर्माण का कार्य भी कराया जा रहा है। कलेक्टर ने अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

# 14 मार्च को होगा नेशनल लोक अदालत

**सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिक**

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अधीनस्थ न्यायालय से उच्च न्यायालय तक के सभी न्यायालयों में वर्ष 2026 का पहला नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को किया जाएगा, जिसमें राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सुलह समझौता से निराकृत किए जाएंगे। नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से सम्पर्क कर जानकारी ली जा सकती है। नेशनल लोक अदालत के संबंध में सबंधित व्यक्ति माननीय न्यायालय, राजस्व विभाग के कलेक्टर, अपर कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार के माननीय न्यायालय, पुलिस विभाग, नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायत, बीएसएनएल, विद्युत विभाग, समस्त बैंको आदि से संपर्क कर सकते हैं। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर निराकरण के लिए दाण्डिक राजीनामा योग्य प्रकरण, चेक बाउन्स वाले मामले, बैंक रिकवरी अर्थात् प्री-लिटिगेशन प्रकरण, मोटरयान अधिनियम से संबंधित प्रकरण, मेन्टेनेन्स धारा के प्रकरण, परिवार न्यायालय से संबंधित प्रकरण, श्रमिक प्रकरण, जमीन विवाद प्रकरण, विद्युत प्रकरण, जलकर प्रकरण, सम्पत्ति कर, टेलीफोन प्रकरण तथा राजस्व प्रकरणों को नियत किया गया है और उपस्थित पक्षकारगण के मध्य उपजे विवाद को वैकल्पिक समाधान के तहत लोक अदालत में उनके मध्य राजीनामा की सम्भावनाओं को तलाश करते हुए निराकरण किया जाएगा।

# टंकियां बनीं, पाइपलाइन अधूरी; लोदेड़ में पानी का इंतजार, 80 लाख की योजना दो साल से बंद, 124 घरों को अब तक नहीं मिला लाभ

**बीजापुर/मूक पत्रिक**

**आशीष पदमवार।** भोपालपटनम ब्लॉक की ग्राम पंचायत कोत्तापल्ली के गांव लोदेड़ में करीब 80 लाख रुपए की नल-जल योजना अधूरी पड़ी है। गांव में चार स्ट्रक्चर और आठ पानी की टंकियां तो बन गई, लेकिन काम पूरा नहीं होने से पिछले दो साल से ग्रामीणों को एक बूंद भी पानी नहीं मिल पाया है। योजना के तहत गांव के 124 घरों और करीब 600 से 700 लोगों को शुद्ध पेयजल देने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन पाइपलाइन और कनेक्शन का काम अधूरा रहने से योजना शुरू ही नहीं हो सकी। नतीजा यह है कि टंकियां खड़ी हैं, मगर उनमें पानी नहीं पहुंच रहा।ग्रामीणों का कहना है कि इस बारे में कई बार अधिकारियों को बताया गया, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। अब गर्मी का मौसम नजदीक आने से गांव में पानी को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। लोगों ने प्रशासन से जल्द काम पूरा कर गांव में पानी की व्यवस्था शुरू कराने की मांग की है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता एस.आर. नेताम ने बताया कि चार में से दो स्ट्रक्चर को ट्यूबवेल से जोड़ दिया गया है। बाकी दो को जोड़ने में तकनीकी दिक्कत आ रही है। उनका कहना है कि समस्या दूर कर योजना को जल्द चालू करने की कोशिश की जा रही है।

# सारंगढ़ केजरी राइस मिल मे लगी आग हजरो क्विंटल धान शाम तक जलती रही

**सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिक**

सारंगढ़-कटेली रोड पर स्थित केजरी राइस मिल में आज भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया है। मिल परिसर में रखे हजारों क्विंटल धान आग की चपेट में आ गए हैं, जिससे भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास के सड़क से गुजरने वाले राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। मिल के भीतर हजारों क्विंटल धान का ढेर लगा हुआ था, जो सूखे छिलकों (भूसे) की मौजूदगी के कारण आग के लिए 'ईंधन' का काम कर रहा है। इसी वजह से फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियाँ आने के बावजूद आग पर काबू पाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। आग इतनी भयानक है कि उसकी लपटें और धुएं का गुबार दूर से ही देखा जा सकता है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन मिल में भारी मात्रा में धान का स्टॉक होने के कारण आग तेजी से फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई है। स्थानीय प्रशासन और मिल के कर्मचारी भी बचाव कार्य में जुटे रही ।

**15 हितग्राहियों को रसोई गैस कनेक्शन और 3 माताओं को सुपोषण किट वितरित**

# ग्राम मनपसार में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

**बीमार बकरी को लेकर शिविर पहुंचा किसान, पशु चिकित्सकों ने किया उपचार किया**

**ग्रामीणों ने नशा मुक्ति और जल संरक्षण की ली शपथ**

**सरसीवा से सरायपाली मार्ग का 16 किमी सड़क निर्माण प्रारम्भ, लोगों को मिलेगी आवागमन में सुविधा**

**समाज कल्याण विभाग द्वारा 3 वृद्धजनों को छड़ी और दिव्यांग को तत्काल दिया गया दिव्यांग पहचान पत्र**



**सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिक**

केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा अनुरूप ÷प्रशासन गांव की ओर÷ थीम पर बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत मनपसार में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे और अतिथि जिला पंचायत सदस्य शिवकुमारी साहू, सत्ताधारी दल के पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष जालान आदि शिविर में पहुंचे और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर योजनाओं की जानकारी ली। शिविर में उज्ज्वला योजना के तहत 15 हितग्राहियों को रसोई गैस कनेक्शन वितरित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 3 माताओं को सुपोषण किट प्रदान किया गया, वहीं 3 महिलाओं की गोदभराई और 2 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया।शिविर में एक किसान अपनी बीमार बकरी को लेकर पहुंचा, जिसका पशुपालन विभाग के चिकित्सकों ने उपचार किया। मछली पालन विभाग द्वारा दो हितग्राहियों को जाल एवं आइस बॉक्स देने की स्वीकृति दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में ओपीडी के माध्यम से 200 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। शिविर में 300 से अधिक लोगों का पंजीयन किया गया और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने ग्रामीणों को भारत नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा मुक्ति की शपथ दिलाई तथा जल संरक्षण के प्रति भी जागरूक करते हुए शपथ दिलाई। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत गांव में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी सरपंच और सचिव से ली, जिस पर ग्रामीणों ने बताया कि सभी घरों तक पानी पहुंच रहा है। कलेक्टर ने स्कूल में शिक्षकों की उपस्थिति के संबंध में भी ग्रामीणों से जानकारी ली।समाज कल्याण विभाग द्वारा 3 वृद्धजनों को छड़ी प्रदान की गई और एक दिव्यांग व्यक्ति को तत्काल दिव्यांग विशिष्ट पहचान पत्र भी जारी किया गया।कलेक्टर ने गाड़ी रोककर सड़क निर्माण के गुणवत्ता का अवलोकन किया। कलेक्टर डॉ संजय कंन्नौजे ने गाड़ी रोककर सड़क निर्माण के गुणवत्ता का अवलोकन किया और शिविर में कलेक्टर ने ग्रामीणों को बताया कि सरसीवा से सरायपाली तक 16 किलोमीटर सड़क निर्माण का






कार्य शुरू हो चुका है, जिससे क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

## संपादकीय

# नेपाल की राजनीति में नया अध्याय

देश में पिछले दिनों हुए चुनावों में नागरिकों और विशेषकर युवा वर्ग ने इस पार्टी पर जिस तरह भरोसा किया है, उसके मद्देनजर नेपाल में भावी सरकार के सामने जन आकांक्षाओं को पूरा करने की बड़ी चुनौती होगी।नेपाल में हुए चुनाव के नतीजे आने के बाद देश की राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। नई पीढ़ी के अगुआ बने बालेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने कई दिग्गजों और पुरानी पार्टियों को भारी शिकस्त दी है। अगर सब कुछ उम्मीद के अनुरूप हुआ और बालेंद्र शाह को ही नेता चुना गया, तो नेपाल के संसदीय इतिहास में वे सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे। अब तक वहां जितने भी प्रधानमंत्री बने हैं, वे कभी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।माना जा रहा है कि दो-तिहाई सीटों पर जीत के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल कर चुकी आरएसपी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। देश में पिछले दिनों हुए चुनावों में नागरिकों और विशेषकर युवा वर्ग ने इस पार्टी पर जिस तरह भरोसा किया है, उसके मद्देनजर नेपाल में भावी सरकार के सामने जन आकांक्षाओं को पूरा करने की बड़ी चुनौती होगी।वहीं नई सरकार को घरेलू समस्याओं से निपटने के साथ देश के आर्थिक विकास में आए ठहराव को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उसे पड़ोसी देशों खासकर इंडिया से संबंध बेहतर बनाने के भी प्रयास करने होंगे। पुरानी सरकार के कामकाज के जिस तरीके के खिलाफ वहां युवा वर्ग के भीतर व्यापक आक्रोश पैदा हुआ, उसे बदलना सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा।नेपाल के लोगों का मानना है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह के भीतर देश की राजनीति और नीतियों को बदल सकने की क्षमता है। दरअसल, शाह को महापौर के अपने कार्यकाल में जमीनी स्तर पर सुधार के कई कार्यों के लिए जाना जाता है। चुनावी नतीजों के बाद अब उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने के साथ व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव करेंगे।नई सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती रोजगार सृजन की भी होगी। नेपाल में बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है और बड़ी संख्या में वहां के युवा वर्षों से काम के लिए पलायन करते रहे हैं। बहरहाल, नेपाल में छह महीने पहले व्यवस्था में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर नई पीढ़ी के व्यापक आंदोलन से उभरे बालेंद्र शाह और उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सबकी उम्मीदों पर कितना खरा उतरेंगे, देश को किस तरह की वैकल्पिक राजनीति देंगे, यह देखने की बात होगी।

**भारत सरकार ने भी हालातों को देखते हुए मंगलवार को आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत प्राकृतिक गैस की सप्लाई को नियंत्रित करने का निर्देश दे दिया है।। इस अधिनियम के तहत सबसे पहले घरों में पाइप से मिलने वाली पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी को प्राथमिकता दी जाएगी। सोमवार को ही कमर्शियल सिलेंडरों की अचानक किल्लत होने से होटल और रेस्टोरेंट उद्योग में चिंता बढ़ने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है।**

# ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया पर कितना निर्भर है भारत?

(यशवीर सिंह)

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने मंगलवार को कहा कि अगर अमेरिका और इजरायली हमले जारी रहे तो वे पश्चिम एशिया से तेल की सप्लाई नहीं होने देंगे। अगर ऐसा हुआ तो दुनिया के ज्यादातर देशों में इसका असर देखने को मिलेगा। भारत अपनी जरूरत ऊर्जा जरूरतों के लिए का करीब 85 से 90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 45 से 50 प्रतिशत तेल पश्चिम एशिया से आता है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से दुनिया के ज्यादातर देश प्रभावित हैं। भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने तो युद्ध के प्रभावों को कम करने के लिए कई उपायों का ऐलान किया है। भारत सरकार ने भी हालातों को देखते हुए मंगलवार को आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत प्राकृतिक गैस की सप्लाई को नियंत्रित करने का निर्देश दे दिया है।। इस अधिनियम के तहत सबसे पहले घरों में पाइप से मिलने वाली पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी को प्राथमिकता दी जाएगी। सोमवार को ही कमर्शियल सिलेंडरों की अचानक किल्लत होने से होटल और रेस्टोरेंट उद्योग में चिंता बढ़ने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है।

इसके अलावा सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की दो बुकिंग के बीच का अंतराल भी 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है ताकि जमाखोरी और काला बाजारी रोकी जा सके। इससे पहले शनिवार को देश में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम में भी इजाफा किया गया था।

### अभी भारत में कैसे हैं हालात?

गैस आपूर्ति बाधित होने का असर मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में दिखने लगा है। इन दोनों शहरों में होटल और रेस्टोरेंट को रसोई गैस उपलब्ध कराने में मुश्किल हो रही है। इंडिया होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय शेट्टी ने मंगलवार को कहा कि गैस की किल्लत तेजी से बढ़ रही है और अगर जल्द आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो यह सेक्टर प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने बताया कि गुरुवार के बाद से सिलेंडर की सप्लाई पर बहुत बुरा असर पड़ा है। पिछले दो दिनों से यह दिक्कत बढ़ रही है। हमारे रेस्टोरेंट का 20 प्रतिशत हिस्सा पहले ही बंद हो चुका है। विजय शेट्टी ने बताया कि उन्हें पूरे मुंबई से इंडिया होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के मेंबर्स से मैसेज भी आ रहे हैं कि एलपीजी सिलेंडर को लेकर ब्लैक मार्केटिंग हो रही है।

मैक्सिकन फूड चेन कैलिफोर्निया बुरिटो के फाउंडर बर्ट म्यूलर ने कहा, हमारे पास दो दिनों के लिए एलपीजी स्टॉक है। हम इमरजेंसी पर काम कर रहे हैं। बुरिटो के दक्षिण भारत में बेंगलुरु और चेन्नई से लेकर उत्तर में दिल्ली और नोएडा तक 100 से ज्यादा स्टोर हैं। हालांकि मंत्रालय का कहना है कि देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है। हाल के दिनों में पेट्रोलियम रिफाइनरियों को पेट्रोकेमिकल उत्पादन घटाकर एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

### क्या भारत में बिगड़ेंगे हालात?

भारत में सालाना करीब 3.13 करोड़ टन एलपीजी की खपत होती है। इसमें लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा घरेलू रसोई गैस का है जबकि बाकी का उपयोग होटल, रेस्टोरेंट और अन्य कमर्शियल प्रतिष्ठानों में होता है। देश की कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 प्रतिशत आयात से पूरा होता है।

इस समय होर्मुज स्ट्रेट से तेल एवं गैस आयात प्रभावित हुआ है। इसी मार्ग से भारत को सऊदी अरब जैसे देशों से एलपीजी आयात का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। भारत के सबसे बड़े एलएनजी सप्लायर कतर ने पिछले हफ्ते प्रोडक्शन रोक दिया था।

भारत अपनी 195 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्रति दिन गैस की खपत का आधा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने और कतर द्वारा फोर्स मेज्योर लागू किए जाने से पहले भारत को पश्चिम एशिया से लगभग 60 एमएमएससीएमडी गैस मिल रही थी। इसके अलावा भारत अपनी जरूरत ऊर्जा जरूरतों के लिए का करीब 85 से 90प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 45 से 50 प्रतिशत तेल पश्चिम एशिया से आता है। होर्मुज स्ट्रेट बाधित होने की वजह से पूरी दुनिया में तेल की सप्लाई प्रभावित है। तेल की कीमतों में अगर और भी ज्यादा इजाफा होता है तो इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर दिखाई देगा।

अगर आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ती हैं तो परिवहन लागत और महंगाई दोनों ही बढ़ जाएंगी। इससे सरकार के बजट, चालू खाते के घाटे और आर्थिक विकास दर पर भी दबाव पड़ सकता है। हालांकि भारत ने कुछ समय तक आपात स्थिति में आपूर्ति जारी रखने के लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तैयार किए हुए हैं।

इस बीच मंगलवार को अरामको चीफ ने कहा कि अगर होर्मुज स्ट्रेट बंद रहा तो दुनिया भर के तेल बाजारों के लिए नतीजे 'बहुत बुरे' हो सकते हैं। अरामको चीफ अमीन नासिर ने कहा कि उन्होंने पहले भी रुकावटों का सामना किया है, लेकिन यह अब तक इस इलाके की तेल और गैस इंडस्ट्री के सामने सबसे बड़ा संकट है।

भारत की जीडीपी पर पड़ेगा असर?

एमके वेल्थ मैनेजमेंट की एक नई फाइनेंशियल रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पश्चिम एशिया में बढ़ता झगड़ा, बढ़ती एनर्जी कॉस्ट और मार्केट में उतार-चढ़ाव के कारण भारत पर काफी आर्थिक दबाव डाल रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस लड़ाई में कई देशों का पूरा जाल शामिल है और इसका असर कई लोगों की उम्मीद से ज्यादा गंभीर हो सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चिंता ईंधन की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी है। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से ब्रेंट यूएस 65-यूएस 70 प्रति बैरल से बढ़कर यूएस. 110 प्रति बैरल हो गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रम की वजह से नैचुरल गैस की कीमत 50 प्रतिशत बढ़ गई है। अगर युद्ध एक महीने या उससे ज्यादा समय तक जारी रहता है, तो 2026 में एलएनजी आउटपुट का नुकसान एक पखवाड़े में 3.30 मिलियन टन से लेकर लगभग 11.20 मिलियन टन तक हो सकता है। इन रुकावटों का भारत की नेशनल ग्रोथ पर सीधा असर पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी से जीडीपी ग्रोथ में लगभग 0.25 प्रतिशत की कमी आ सकती है।

# अहं का जाल- कैसे 'ईगो' चुपचाप रिश्तों और व्यक्तित्व को तोड़ देता है

(अशोक कुमार )

मानवीय वृत्तियों के अनेक स्वरूप हैं, जिसके नेपथ्य में अच्छाई और बुराई के बीच हमारे दैनिक आचरण संचालित होते हैं। मानव जीवन में सबसे बड़ी जंग बाहरी दुनिया की कठिनाइयों से नहीं, बल्कि हमारे अंतर्मन में उठने वाले तूफानों से होती हैं। ऐसा देखा जाता है कि सामाजिक प्रक्षेत्र की विभिन्न प्रकार की घटनाओं से उत्पन्न परिस्थितियां प्रायः हमारे नियंत्रण से बाहर होती हैं, लेकिन हमारे चेतन मन में छिपी सकारात्मक ऊर्जा इतनी शक्तिशाली है कि वह प्रतिकूल चिंतन धाराओं को अनुकूलता में बदल सकती है।दैनिक जीवन की गतिविधियां हमें बार-बार ऐसी स्थितियों में डालती हैं, जहां हमारी शक्ति, हमारे साधन, यहां तक कि हमारा धैर्य भी जवाब देने लगता है, पर मानव होने का अर्थ ही यह है कि हम उन परिस्थितियों से ऊपर उठने की क्षमता भी रखते हैं, जो जिंदगी में सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती है। बाहरी स्थितियां कभी-कभी हमारी सीमाएं बेशक तय कर सकती हैं, लेकिन यह निर्णय हमेशा हमारा होता है कि हम उन परिस्थितियों के प्रति कैसा चिंतन दृष्टिकोण रखते हैं और उसे किस रूप में परखते हैं।हमारा विवेक यह स्वीकार करता है कि हम दर्द से नहीं टूटते, बल्कि हम बिना उद्देश्य और लक्ष्य के दर्द से टूट जाते हैं। जब हमें ज्ञात होता है कि हमें क्यों जीना है, कैसे जीना है, तो इसका मार्ग हमारा विवेक तय करता है। भौतिक संसार की प्रतिकूल धाराओं पर विजय का ध्वज फहराने वाले हम प्राणी कभी-कभी खुद के भीतर के संघर्षों से थक-हार भी जाते हैं। मन में संचालित द्वंद्व और संशय, कभी अपने किसी काम, निर्णय, अतीत या अनुभव को लेकर अपने को कोसने लगते हैं। किसी पीड़ा का दंश जब मन के किसी कोने में पड़ाव बना लेता है, तो हमारा चेतन मन विवेक के अस्तित्व की गहराई को झकझोरने लगता है।

व्यक्तित्व की परिधि में स्वाभिमान की शक्ति जहां स्वयं जीवन पथ में सुगमता और सरलता के पुष्प बिछाती हैं, वहीं 'अहं' यानी 'इगो' के तरंग मस्तिष्क मंडल में आत्मकेंद्रित सह आत्ममुग्धता के भाव का बीजारोपण करते हैं। यह आचरण व्यक्ति के मस्तिष्क में एक दिन में स्थान नहीं ग्रहण करता, बल्कि क्रमशः इसकी वृद्धि हमारे आसपास सामाजिक तथा पारिवारिक परिवेश की घटनाओं के कारण होती है।

कुछ लोग मानते हैं कि अहं व्यक्ति के स्वभाव का वह अक्षय अंश है, जिससे मुक्ति कठिन है, लेकिन किसी आकस्मिक घटना, प्रेरणा या अध्ययन के कारण इस भाव का तिरोधान संभव भी हो जाता है। इसका एक पक्ष हमारे आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और आत्म-प्रगति को दर्शाता है, जो हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित भी करता है।

दूसरी ओर, यह हमें अहंकार और स्वार्थ के सांचे में ढालते हुए आत्मश्लाघा के आंगन की यात्रा भी करा देता है। यह हमें अपने दायित्व के बारे में सकारात्मकता की उपस्थिति कराते हुए अपने लक्ष्यों, अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक भी करता है।

# ईरान के साथ कौन-से देश हैं? यूएस-इजरायल के साथ कौन-से देश खड़े हैं?

**ईरान युद्ध के मुद्दे पर पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो का रुख भी दिलचस्प है। नाटो के महासचिव मार्क रूट ने अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे ईरान की परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को कमजोर करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण है। हालांकि नाटो प्रमुख ने यह भी साफ किया कि नाटो स्वयं इस युद्ध में शामिल होने की कोई योजना नहीं बना रहा है। उन्होंने कहा कि नाटो एक संगठन के रूप में इस संघर्ष में नहीं उतरेगा, लेकिन उसके कुछ सदस्य देश अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अपने स्तर पर समर्थन दे सकते हैं। यह बयान इस बात का संकेत देता है कि पश्चिमी गठबंधन के भीतर भी युद्ध को लेकर पूरी तरह एकमत स्थिति नहीं है।**

(नीरज कुमार दुबे)

सबसे पहले उन देशों की बात करें जो ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस सूची में सबसे प्रमुख नाम रूस और चीन का है। इन दोनों देशों ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया है और इसे क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने वाला कदम कहा है।

मध्य-पूर्व में भड़का ईरान का युद्ध अब केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की राजनीति को झकझोर देने वाला संकट बन चुका है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद वैश्विक राजनीति स्पष्ट रूप से तीन खेमों में बंटती दिखाई दे रही है। एक ओर वे देश हैं जो ईरान के साथ खड़े हैं, दूसरी ओर वे देश हैं जो अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई को समर्थन दे रहे हैं, जबकि तीसरा समूह उन देशों का है जो खुलकर किसी पक्ष में नहीं आ रहे और खुद को तटस्थ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

सबसे पहले उन देशों की बात करें जो ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस सूची में सबसे प्रमुख नाम रूस और चीन का है। इन दोनों देशों ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया है और इसे क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने वाला कदम कहा है। रूस पहले से ही पश्चिमी देशों के साथ टकराव की स्थिति में है, इसलिए उसने ईरान के खिलाफ हमले की तीखी आलोचना की है और कूटनीतिक समर्थन दिया है। चीन ने भी संयम बरतने की अपील करते हुए यह स्पष्ट किया है कि क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान युद्ध नहीं बल्कि बातचीत से होना चाहिए।

इन महाशक्तियों के अलावा उत्तर कोरिया और वेनेजुएला जैसे देश भी ईरान के समर्थन में खड़े दिखाई देते हैं। इसके साथ ही मध्य-पूर्व में कई ऐसे संगठन हैं जो ईरान के रणनीतिक सहयोगी माने जाते हैं, जैसे लेबनान का हिज़्बुल्लाह और यमन के हूती विद्रोही। ये समूह लंबे समय से अमेरिका और इजराइल के प्रभाव का विरोध करते रहे हैं और इस संघर्ष में भी ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस पूरे समूह को अक्सर प्रतिरोध धुरी कहा जाता है, जो पश्चिमी प्रभाव को चुनौती देने की कोशिश करता है।

अब दूसरे खेमे की बात करें, जो अमेरिका और इजराइल के साथ खड़ा है। इस युद्ध के सबसे बड़े पक्षकार स्वयं अमेरिका और इजराइल हैं। इजराइल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बताता रहा है, जबकि अमेरिका ने अपने सहयोगी की सुरक्षा का हवाला देकर सैन्य अभियान में भाग लिया है। इनके अलावा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी क्षेत्र के कुछ देश भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी रणनीति के करीब दिखाई देते हैं। बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं और ये देश लंबे समय से ईरान को क्षेत्रीय खतरे के रूप में देखते रहे हैं।

ईरान युद्ध के मुद्दे पर पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो का रुख भी दिलचस्प है। नाटो के महासचिव मार्क रूट ने अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे ईरान की परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को कमजोर करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण है। हालांकि नाटो प्रमुख ने यह भी साफ किया कि नाटो स्वयं इस युद्ध में शामिल होने की कोई योजना नहीं बना रहा है। उन्होंने कहा कि नाटो एक संगठन के रूप में इस संघर्ष में नहीं उतरेगा, लेकिन उसके कुछ सदस्य देश अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अपने स्तर पर समर्थन दे सकते हैं। यह बयान इस बात का संकेत देता है कि पश्चिमी गठबंधन के भीतर भी युद्ध को लेकर पूरी तरह एकमत स्थिति नहीं है।

तीसरा समूह उन देशों का है जो खुद को तटस्थ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इस समूह में भारत, कई यूरोपीय देश, ब्रिटेन, कतर, ओमान और कॉकस क्षेत्र के कुछ देश शामिल हैं। इन देशों ने सीधे किसी पक्ष का समर्थन करने की बजाय युद्ध को रोकने और कूटनीतिक समाधान की अपील की है। भारत जैसे देश ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों को ध्यान में रखते हुए सावधानी से कदम उठा रहे हैं। वहीं कतर और ओमान जैसे देश मध्यस्थता की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे पहले भी अमेरिका और ईरान के बीच संवाद कराने में सक्रिय रहे हैं।

इस पूरे संकट के बीच अमेरिका की भूमिका को लेकर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका जिस तरह से सैन्य कार्रवाई कर रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय नियमों और संस्थाओं की अनदेखी को दर्शाता है। उदाहरण के तौर पर हिंद महासागर में ईरानी पोत को मार गिराने की घटना ने यह संकेत दिया कि यह संघर्ष केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक समुद्री मार्गों तक फैल सकता है। इसके अलावा जब स्पेन ने अपने एयरबेस के इस्तेमाल की अनुमति देने से इंकार किया तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से उसकी आलोचना कर दी। दूसरी ओर ब्रिटेन ने अपने सैन्य अड्डों के इस्तेमाल की अनुमति तो दी, लेकिन कई शर्तों के साथ, जिससे ट्रंप स्पष्ट रूप से संतुष्ट नहीं दिखाई देते। इससे यह भी संकेत मिलता है कि अमेरिका अपने सहयोगियों से लगभग बिना शर्त समर्थन की उम्मीद कर रहा है लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है।

विडंबना यह है कि ट्रंप एक तरफ यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय संघर्षों को रुकवाया है और इसलिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। उन्होंने गाजा के लिए बोर्ड ऑफ पीस जैसी पहल भी की। लेकिन दूसरी ओर ईरान के खिलाफ युद्ध को जिस तरह आगे बढ़ाया गया है, उसने पूरी दुनिया को अस्थिरता और युद्ध की आशंका से भर दिया है। आलोचकों का कहना है कि शांति की बात करने के साथ-साथ युद्ध की आग को भड़काना गहरे राजनीतिक विरोधाभास को दर्शाता है।

इसके अलावा, इस युद्ध ने विश्व राजनीति में गहरे बदलाव पैदा कर दिए हैं। सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि दुनिया फिर से बड़े शक्ति-गठबंधनों में बंटती दिखाई दे रही है। अमेरिका और उसके सहयोगी एक तरफ हैं, जबकि रूस और चीन जैसे देश दूसरी ओर खड़े दिखाई देते हैं। यह स्थिति एक नई महाशक्ति प्रतिस्पर्धा की ओर इशारा करती है।

दूसरा बड़ा परिवर्तन मध्य-पूर्व की राजनीति में देखने को मिल रहा है। कई अरब देशों और इजराइल के बीच सुरक्षा सहयोग तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि वे ईरान को अपने लिए बड़ा खतरा मानते हैं। इससे क्षेत्र में नए सैन्य और राजनीतिक गठबंधन बन रहे हैं। तीसरा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ईरान दुनिया के बड़े तेल उत्पादकों में से एक है और फारस की खाड़ी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। युद्ध के कारण तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे पूरी दुनिया के ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है।

बहरहाल, ईरान का यह युद्ध केवल मिसाइलों और बमों का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति-संतुलन की लड़ाई भी बन चुका है। आने वाले समय में यह संघर्ष तय करेगा कि विश्व राजनीति का नया नक्शा कैसा होगा और किस शक्ति का प्रभाव कितना बढ़ेगा।

**(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

आर्थराइटिस पेन को गठिया का दर्द भी कहा जाता है। जिसे कम करने के लिए कुछ चीजों का सेवन करना चाहिए। शोधों में इन फूड्स को दर्द और इंफ्लामेशन से छुटकारा दिलाने वाला पाया गया है।

# जड़ से खत्म होगा गठिया का दर्द

बुढ़ापे के साथ जोड़ों का दर्द भी आना आम बात है। इस रोग को गठिया या आर्थराइटिस भी कहा जाता है। उम्र के साथ घुटनों, कोहनी आदि हड्डी के जोड़ों की मूवमेंट कम होने लगती है और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। जिसकी वजह से सूजन, दर्द, अकड़न जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी में कुछ एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स रामबाण साबित हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में दर्द को कम करने वाली शक्ति होती है। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों को इन चीजों का सेवन जरूर करवाएं।

## सेब है गठिया का इलाज

सेब खाकर गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है। क्योंकि, इसे मोटापे से आई सूजन व इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार देखा गया

है। जिससे मोटापे के शिकार लोगों में जोड़ों के दर्द में भी कमी देखी गई।

## खाने में अच्छी तरह डालें अदरक और हल्दी

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में कई रोगों की दवा माना जाता है। क्योंकि यह एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों का भंडार हैं। इन्हें औषधि या भोजन के रूप में लेने पर दर्द, सूजन आदि लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।

## मशरूम है लाभदायक

मशरूम के अंदर फेनोलिक, इंडोलिक, मायकोस्टेरोइड्स, फैटी एसिड, कैरोटेनोइड्स, विटामिन और बायोमेटल जैसे कई सारे एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड होते हैं। यह सभी तत्व आर्थराइटिस के इलाज में मदद करते हैं।

## स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी

सभी बेरीज में विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के मुताबिक, इनमें गठिया से लड़ने वाले गुण होते हैं।

## अनार खाने के फायदे

अनार के अंदर टैनिन काफी मात्रा में होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। जो घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसलिए गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है

# पके कटहल से दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

## कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

## पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

## इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

## लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

## दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

## वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

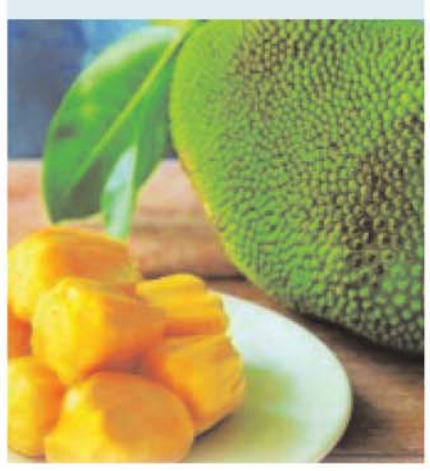

# हार्ट के साथ-साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद होगी ये एक्सरसाइज

**कोई भी बीमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। इन दिनों खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट और व्यायाम करना बहुत ही जरुरी है। एक्सरसाइज करने से आपका शरीर एकदम फूर्तीला रहता है और आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे। आज आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज बताएंगे जो आपके हार्ट के साथ-साथ आपके स्वस्थ शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होगी। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में.**

## कार्डियो एक्सरसाइज करें

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इसमें जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉक भी शामिल हैं। इससे आपके हृदय की गति तेज होगी और साथ में हृदय की मांसपेशियों की भी एक्सरसाइज होगी।

## स्ट्रेचिंग और वेट लिफ्टिंग

आप अच्छे स्वास्थ्य और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने से आपका वजन कंट्रोल में रहता है और शरीर में ताकत भी आती है। वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज में आप पुशअप्स, स्क्वैट्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज को अपनी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

## जंपिंग जैक एक्सरसाइज करें

जंपिंग जैक एक्सरसाइज आपके हेल्दी हार्ट के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इससे आपका हृदय स्वस्थ रहता है। इससे हृदय की गति भी बहुत अच्छे से होती है।

- सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं।
- इसके बाद ऊपर की ओर उछलें और अपने हाथों को भी ऊपर उठा लें।
- हाथ उठाने के बाद पैरों को भी फैला लें।
- ऐसे ही 10-15 मिनट तक करें और फिर नीचे नार्मल पॉजिशन में आ जाएं।

## हर्डल जंप करें

आप हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप हर्डल जंप एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसमें आप किसी हर्डल को लेकर उसके ऊपर से जंप करें। आप डंबल, बॉक्य या फिर किसी स्टेपर का हर्डल के रुप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों को आप उछल कर पार करें। इस एक्सरसाइज से आपकी हार्ट बीट तेज होगी। हार्ट बीट तेज होने से आपका दिल मजबूत बनेगा।

## बर्पी एक्सरसाइज करें

बर्पी एक्सरसाइज आपकी बाजुओं , टांगों और छाती के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इस एक्सरसाइज में स्क्वाट, पुशअप, जंपिंग तीनों चीजें एकसाथ की जाती है। यह तीनों एक्सरसाइज आपको एक सैट में ही करनी पड़ती हैं। इस एक्सरसाइज से आपकी हृदय गति तेज होगी और दिल की धड़कन एकदम नॉर्मल हो जाएगी।

# नुकसानदेह भी है सरसों

विशेषज्ञों के अनुसार, चाहे वह सरसों का तेल हो, पेस्ट हो या फिर कच्ची पत्तियां सभी हेल्दी मिनरल्स से भरपूर हैं। यह ओमेगा 3 फैटी एसिड का भी बेहतरीन स्त्रोत है और इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा सरसों का सेवन करते हैं, तो इससे स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। कई स्थितियों में यह जानलेवा तक साबित हो सकती है। अगर आप भी लंबे समय से सरसों के तेल या बीज का सेवन कर रहे हैं, तो आपको इसके साइड इफेक्ट्स के बारे में जरूर जानना चाहिए।

## राइनाइटिस का खतरा

सरसों के तेल के लगातार सेवन से कई लोगों को राइनाइटिस हो सकता है। राइनाइटिस में बलगम की झिल्ली में सूजन हो जाती है, जिससे खांसी, छींकना, भरी हुई नाक, नाक से पानी बहाना जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं।

## लंग कैंसर के लिए जिम्मेदार

सरसों के तेल में पाया जाने वाला इरूसिक एसिड फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाता है।

## ड्रॉप्सी रोग

ड्रॉप्सी एक खतरनाक रोग है। यह रोग तेल में पूड़ी, कचौड़ी और पकवान बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए सरसों के तेल में अर्जीमोन तेल के मिलावट, सायनाइड के मिलावट के कारण ड्रॉप्सी की संभावना ज्यादा रहती है। इसका उपयोग करने से गुर्दे, हृदय, आदि अंग कमजोर हो जाते हैं। इससे सादा पानी भी पचता नहीं है और शरीर में दूषित पानी जमा होने लगता है, जिससे पेट फूलने की शिकायत होती है। इस रोग से ग्रसित व्यक्ति के हाथ पैर फूल जाते हैं।

## एलर्जी की समस्या

अगर आप अपने खाने में अधिक मात्रा में सरसों के दाने या तेल का सेवन करते हैं, तो एलर्जी हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि सरसों से होने वाली एलर्जी सबसे गंभीर एलर्जी में से एक है। दरअसल, इसके सेवन से हिस्टामाइन में वृद्धि के साथ एनाफिलेक्टिक शॉक भी हो सकता है। पित्ती और त्वचा पर दाने, सांस फूलना, चक्कर आना, उल्टी, गले, चेहरे और आंखों में सूजन इसके मुख्य लक्षण हैं।

## दिल के रोग का खतरा

आज भी कई घरों में सरसों के तेल में खाना बनाया जाता है। लेकिन सच मानिए तो हर दिन इसका इस्तेमाल दिल की सेहत के लिए अच्छा नहीं है। क्योंकि इसमें इरूसिक एसिड बहुत ज्यादा होता है, जो दिल के लिए खतरा पैदा करता है। सरसों के अधिक उपयोग से मायोकार्डियल पिलिडोसिस की समस्या हो सकती है। जिसमें ट्राइग्लिसराइड के बनने के कारण हृदय की मांसपेशियों के मायोकार्डियल फाइबर में फाइब्रॉटिक घाव विकसित होते हैं। जो हृदय की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाने के साथ हार्ट फेलियर के लिए भी जिम्मेदार होते हैं।

**भारतीय खानों में अक्सर सरसों के तेल के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सरसों का तेल भारतीय मौसम के हिसाब से सेहत और सुंदरता के लिए फायदेमंद माना जाता है। यहां तक कि आयुर्वेद में भी सरसों के तेल का इस्तेमाल कई दवाइयों और उपचार में किया जाता है। सरसों के बारे में हर कोई जानता है। यह भारतीय किचन में मसाले के रूप में उपयोग होने वाली मुख्य सामग्री है। इसका इस्तेमाल अक्सर किसी खास रेसिपी बनाने या तड़का लगाने के लिए किया जाता है। इतना ही नहीं सरसों के तेल का इस्तेमाल भी भारतीय घरों में खूब होता है। बेहतरीन स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए लोग अलग-अलग तरह से इसका उपयोग करते हैं।**

# गर्मी में रखें अपनी आंखों को सुरक्षित

पूरे भारत में गर्मी का हाल बेहाल है। बढ़ती गर्मी के कारण व्यक्ति कई प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहा है। इनमें मुख्य है त्वचा सम्बन्धी रोग और दूसरा है नेत्र सम्बन्धी रोग। दिन-ब-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है और भीषण गर्मी असहनीय होती जा रही है। ऐसे में लोग गर्मी से अपना बचाव करते हैं। हम अपने शरीर को ऊपर से नीचे तक कपड़े और सनस्क्रीन से ढक सकते हैं, लेकिन हमारी आंखों को हम सुरक्षित नहीं कर पाते। गर्मी की वजह से शरीर से ज्यादा तकलीफ हमारी आँखों को होती है। आंखें न केवल हानिकारक यूवी किरणों के सम्पर्क में आती हैं बल्कि गन्दगी, प्रदूषण से भी प्रभावित होती हैं। हम कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिनका उपयोग करके वे अपनी आँखों को इस भीषण गर्मी में संक्रमित होने से बचा सकते हैं।

## धूप का चश्मा

जिस तरह आप अपने शरीर को कपड़ों से ढकते हैं, दस्ताने से लेकर टोपी तक, उसी तरह आपकी आंखों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। अपने घर से बाहर निकलते समय, यूवी किरणों को सीधे अपनी आंखों में प्रवेश करने से रोकने के लिए आपको सन ग्लास अर्थात धूप का चश्मा अपनी आँखों पर लगाना चाहिए।

## कम से कम 8 घंटे सोएँ

गर्मी के दिनों में प्रयास करके अपनी आंखों को पूरा आराम दें। इसके लिए जरूरी है कि आप कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। आठ घंटे की नींद लेने न केवल आपकी आँखें पूरी तरह से सुरक्षित रहती हैं अपितु यह आपके शरीर को भी पूरा आराम प्रदान करता है। साथ ही आपके इम्युनिटी पावर को भी बरकरार रखता है।

## ठंडे पानी से बार बार आंखें धोएं

अपनी आंखों को ठंडा रखने के लिए उन्हें ठंडे पानी से बार-बार धोने की कोशिश करें। ठंडा पानी आंखों से गर्मी को दूर करने में मदद करता है और उन्हें बेहतर महसूस कराता है। अपनी आंखों को लुब्रिकेट करें हमारी आंखें नमी खो देती हैं और सूखी और खुजलीदार हो जाती हैं। ऐसे में ढेर सारा पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखना चाहिए। जो लोग ऑफिस में लगातार कम्प्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं उन्हें अपनी आँखों को लेकर संजीदगी बरतनी चाहिए। उन्हें कम्प्यूटर पर काम शुरू करने से पहले अपनी आँखों को आई ड्रॉप्स से धोना चाहिए। आठ से दस घंटे लगातार कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों को ऐसा कम से कम 3 बार करना चाहिए। आँखों में आई ड्रॉप्स डालने से आँखों की चिकनाई बरकरार रहती है।

## आंखों पर सनस्क्रीन का प्रयोग करने से बचें

अधिकांश युवा अपने चेहरे को सन स्क्रीन से बचाने के लिए क्रीम का प्रयोग करते हैं। इस क्रीम को लगाते वक्त वे उसको पलकों और भौंह पर भी लगा देते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो यह गलत है। आपको अपनी पलकों या आँखों पर सनस्क्रीन लगाने से बचाव करना चाहिए, क्योंकि इससे वे लाल और खुजलीदार हो सकते हैं।

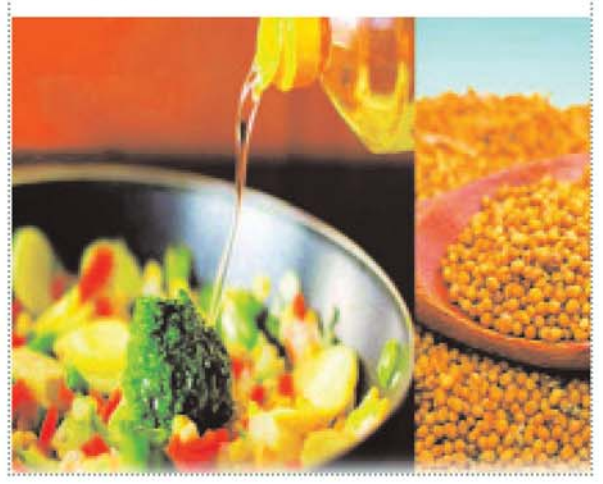

## वीवो Y51 प्रो 5G हुआ लॉन्च

**रायपुर।** वीवो इंडिया ने आज अपने Y सीरीज़ में नया स्मार्टफोन वीवो Y51 प्रो 5G लॉन्च किया। नया Y51 प्रो उन यूज़र्स के लिए डिजाइन किया गया है जो स्मूथ और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के साथ इमर्सिव एंटरटेनमेंट चाहते हैं। यह स्मार्टफोन ऐसा अनुभव देता है जो रोजमर्रा की तेज़ और बदलती दिनचर्या के साथ कदम मिलाकर चलता है।लंबे समय तक चलने वाली परफॉर्मेंस, स्मूथ मल्टीटास्किंग और रोजमर्रा के आसान इस्तेमाल पर खास ध्यान देते हुए यह डिवाइस वीवो की उस सोच को दिखाता है जिसमें वह ऐसे प्रैक्टिकल इनोवेशन लाना चाहता है जो प्रोडक्टिविटी और एंटरटेनमेंट दोनों में मदद करें और Y सीरीज़ के पोर्टफोलियो में लंबे समय तक वैल्यू दें। वीवो Y51 प्रो 5G में बड़ी 7200 mAh बैटरी दी गई है और यह मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7360 टर्बो चिपसेट से पावर्ड है। इसमें बेहतर मजबूती के लिए आईपी68 और आईपी69 रेटिंग दी गई है और 50 एमपी एचडी वाइड-एंगल मेन कैमरा के साथ 4K वीडियो रिकॉर्डिंग का सपोर्ट भी मिलता है। वीवो Y51 प्रो 5G में शानदार डिजाइन दिया गया है, जिसमें सीमलेस वन-पीस फ्रेम और 3D क्राड-कर्व्ड बैक है, जो फोन को हाथ में पकड़ने पर आरामदायक बनाता है। बड़े रेडियस वाले कॉर्नर और मेटैलिक कैमरा डेको इसे प्रीमियम लुक देते हैं। यह दो रंगों में उपलब्ध है — फेस्टिव रेड, जो त्योहारों की लालटेन की गर्म रोशनी से प्रेरित है और ब्लैक बेज़ल के साथ आता है; और नोबल गोल्ड, जिसमें वीवो का सिग्नेचर ग्रेडिएंट ग्रेटिंग डिजाइन है, जो 3ष्ठ डेप्थ इफेक्ट देता है। डिवाइस की कीमत 8GB + 128GB वेरिएंट के लिए 24,999 रुपये और 8GB + 256GB वेरिएंट के लिए 27,999 रुपये रखी गई है। यह स्मार्टफोन 11 मार्च 2026 से वीवो की आधिकारिक वेबसाइट, फ्लिपकार्ट और सभी पार्टनर रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

## स्मार्ट मॉर्निंग न्यूट्रिशन की शक्ति से अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाएं - शीला कृष्णास्वामी, न्यूट्रिशन और वेलनेस कंसल्टेंट

मौसम बदलने के समय मौसमी वायरल संक्रमण अक्सर बढ़ जाते हैं, इसलिए अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाना बहुत जरूरी हो जाता है। सर्दी, फ्लू और अन्य सांस से जुड़ी बीमारियां ऐसे मौसम में तेजी से फैलती हैं। इसलिए दिन की शुरुआत से ही शरीर को पोषक तत्वों से भरपूर भोजन देना फायदेमंद होता है। सुबह के भोजन में बादाम, अंडे, खट्टे फ्ल, फर्मेंटेड फूड्स और साबुत अनाज जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करने से शरीर को ऊर्जा और जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व मिलते हैं। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी को मजबूत बनाने और शरीर में सूजन कम करने में मदद करते हैं। यहां सुबह के भोजन में शामिल करने के लिए चार आसान विकल्प दिए गए हैं।

**बादाम**- बादाम 15 पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जिनमें विटामिन श्च, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक शामिल हैं। ये पोषक तत्व शरीर में एंटीऑक्सिडेंट गतिविधि को बढ़ाते हैं और इम्यून कोशिकाओं को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करते हैं। दिन की अच्छी शुरुआत के लिए बादाम को दलिया या दही में मिलाकर खाएं या सीधे भी खा सकते हैं।

**अंडे** - अंडे उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन के साथ विटामिन ष्ठ और कई अन्य जरूरी पोषक तत्व प्रदान करते हैं। ये पोषक तत्व इम्यून सिस्टम के संतुलन, टी-सेल की गतिविधि और शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों में मदद करते हैं। पौष्टिक नाश्ते के लिए अंडों को उबालकर, पोच बनाकर या स्क्रैम्बल करके पालक और होल व्हीट टोस्ट के साथ खाया जा सकता है।

**साइट्रस फल**- संतरे, ग्रेपफ्रूट और मौसंबी में विटामिन ष्ठ पाया जाता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है और एक शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट का काम करता है। यह संयोजन आपके शरीर की हानिकारक सूक्ष्मजीवों के खिलाफ पहली सुरक्षा पंक्ति को मजबूत करता है। इन्हें सीधे खाया जा सकता है या पानी में डालकर ताजगी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। साइट्रस फ्लों के अलावा, आंवला और अमरूद भी विटामिन ष्ठ से भरपूर होते हैं।

# चीन में 56 जातीय समूहों को पहचान देने के लिए नया कानून, बच्चों को सिखाया जाएगा कम्युनिस्ट पार्टी से प्यार

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन की शी चिनफिंग सरकार अब 56 जातीय समूहों को एक साझा राष्ट्रीय पहचान देने के लिए एक नया कानून पास करने की कगार पर है। यह कानून जातीय एकता और प्रगति को बढ़ावा देने वाला कानून के नाम से जाना जा रहा है। यह कानून चीन की संसद के वार्षिक सत्र में जल्द ही मंजूर हो सकता है।

सरकार का दावा है कि यह कानून देश में लोगों के बीच एकता बढ़ाएगा और आधुनिकीकरण को गति देगा। लेकिन मानवाधिकार कार्यकर्ता और विशेषज्ञ इसे अल्पसंख्यक समुदायों की संस्कृति और अधिकारों पर बड़ा खतरा मान रहे हैं। उनका कहना है कि यह कानून पहले से चल रही हान चीनी संस्कृति में जबरन घोलने की नीति को कानूनी रूप देगा।

इस कानून में मंदारिन (चीन की भाषा) को और ज्यादा महत्व दिया जाएगा। अन्य जातीय भाषाओं की स्थिति कमजोर होगी और स्कूलों में मुख्य विषयों की पढ़ाई मंदारिन में ही होगी। इसके साथ साथ अलग-अलग जातीय समूहों के बीच शादी को प्रोत्साहन दिया जाएगा। किसी भी जातीय या धार्मिक

आधार पर ऐसी शादियों को रोकने की कोशिश को गलत माना जाएगा और उस पर रोक लगेगी। माता-पिता पर जिम्मेदारी होगी कि वे अपने बच्चों को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से प्यार करना सिखाएं। बच्चों को पार्टी के प्रति वफादारी और राष्ट्र की एकता का भाव विकसित करना होगा। एकता के नाम पर शिकंजा कसने की तैयारी इस कानून में कोई भी व्यक्ति, संगठन या गतिविधि जो जातीय समूहों के बीच संघर्ष, नफरत बढ़ाए या अलगाव की मांग करे, उसे पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाएगा। ऐसा कोई भी कदम जातीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाला माना जाएगा।

यह कानून शी चिनफिंग की सिनिसाइजेशन नीति को और मजबूत करेगा। सिनिसाइजेशन का मतलब है कि धर्म और सांस्कृतिक परंपराओं को भी चीनी संस्कृति और कम्युनिस्ट पार्टी के मूल्यों के अनुरूप ढाला जाए।

अल्पसंख्यक क्षेत्रों में पहले से चल रही नीतियां चीन में 56 आधिकारिक जातीय समूह हैं, जिनमें हान सबसे बड़ा है। उइगर, तिब्बती, मंगोल जैसे अल्पसंख्यक समूहों की आबादी लाखों में है। सरकार का सबसे ज्यादा ध्यान शिनजियांग और तिब्बत जैसे क्षेत्रों पर है। शिनजियांग में उइगर और अन्य तुर्किक मुस्लिम समुदाय रहते हैं। तिब्बत में चीन के शासन के खिलाफ लंबे समय से विरोध होता रहा है। 2008 में ल्हासा में भिक्षुओं ने बड़े विरोध किए थे। चीन के अनुसार 22 लोग मारे गए, जबकि निर्वासित तिब्बती संगठनों का दावा है कि करीब 200 मौतें हुईं।

2009 में उरुमची में उइगर और हान के बीच हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें लगभग 200 लोग मारे गए। 2013 में तियानआनमेन स्क्वायर पर कार बम हमला और 2014 में युन्नान रेलवे स्टेशन पर हमला भी उइगर अलगाववादियों से जुड़ा बताया गया।

सरकार इन हिंसक घटनाओं के कारण सख्त कदम जरूरी बताती है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठन आरोप लगाते हैं कि शिनजियांग में 10 लाख से ज्यादा उइगर मुस्लिमों को हिरासत शिविरों में रखा गया। चीन इन्हें पुनर्शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र कहता है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उइगरों की धार्मिक गतिविधियां रोकी गईं, कई मस्जिदें बंद की गईं। तिब्बत में मठों पर सख्त नियंत्रण है। 18 साल से कम उम्र के बच्चों को अब सरकारी स्कूलों में मंदारिन पढ़ना पड़ता है, वे बौद्ध धार्मिक ग्रंथ नहीं पढ़ सकते। पहले बच्चे मठों में जाकर भिक्षु बनने की ट्रेनिंग लेते थे।

## करोड़पति यूट्यूबर ने दुनिया के सामने लाइव पॉडकास्ट में दिया वाइफ को तलाक

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** अपनी आलीशान जीवनशैली के लिए मशहूर पाकिस्तानी यूट्यूबर रजब बट्ट ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर एक ऐसा चौंकाने वाला फैसला लिया है जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। एक पॉडकास्ट इंटरव्यू के दौरान रजब ने अपनी पत्नी ईमान से तलाक का ऐलान कर सबको सन्न कर दिया। रजब ने साफ कहा कि वह अब इस दिखावे के रिश्ते को और बोझ की तरह नहीं ढो सकते। पॉडकास्ट के दौरान रजब बट्ट काफी भावुक और आक्रामक नजर आए। उन्होंने लाइव बातचीत में ही अपनी शादी खत्म करने की घोषणा कर दी। रजब के मुताबिक रजब ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी ईमान ने उनकी मां को अपमानित किया जो उनके लिए बर्दाश्त से बाहर था। यूट्यूबर का दावा है कि उनके ससुराल वालों ने उनके पिता की हैसियत और औकात पर सवाल उठाए थे। रजब ने खुलासा किया कि उनकी शादी को डेढ़ साल हो चुके हैं लेकिन उनकी पत्नी इस दौरान महज डेढ़ महीने ही उनके साथ रही हैं। इस विवाद की जड़ें पुरानी हैं। कुछ समय पहले ईमान के भाई ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था कि रजब बट्ट ने अपनी पत्नी को तब धोखा दिया जब वह गर्भवती थीं। पॉडकास्ट में रजब ने स्वीकार किया कि उनका एक पास्ट अफेयर था।

# अमेरिका ने दी रूस को चेतावनी, कहा- ईरान संघर्ष से दूर रहे मॉस्को

## क्या ट्रंप और पुतिन की बातचीत में पश्चिम एशिया का जिक्र हुआ?

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध के बीच अमेरिका ने रूस को साफ संदेश दिया है कि वह ईरान से जुड़े संघर्ष में दखल न दे। अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हाल ही में फोन पर बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिका ने संकेत दिया कि रूस को इस्राइल और अमेरिका के खिलाफ ईरान के साथ खड़े होने से बचना चाहिए। हेगसेथ ने पेंटागन में हुई प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि ट्रंप और पुतिन के बीच हुई बातचीत मजबूत और स्पष्ट थी। उन्होंने कहा कि इस बातचीत में रूस-यूक्रेन युद्ध के साथ पश्चिम एशिया के हालात पर भी चर्चा हुई। अमेरिका का मानना है कि मौजूदा संघर्ष को और बड़ा बनने से रोकना जरूरी है और रूस को इसमें शामिल नहीं होना चाहिए।

रूस के राष्ट्रपति के सलाहकार यूरी उशाकोव के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच नौ मार्च को फोन पर बातचीत हुई थी। इस दौरान ईरान के आसपास बढ़ते संघर्ष पर चर्चा हुई। पुतिन ने कहा कि इस संकट का समाधान राजनीतिक और कूटनीतिक तरीके से निकाला जाना चाहिए। वहीं ट्रंप ने इस्राइल और अमेरिका की सैन्य कार्रवाई पर अपना पक्ष रखा और युद्ध की स्थिति पर अपनी राय साझा की। अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई को भी

चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है तो हालात और ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। अमेरिका का कहना है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगातार सतर्क है।

ईरान के मिनाब शहर में एक प्राथमिक स्कूल पर हुए मिसाइल हमले में कम से कम 168 बच्चों की मौत की खबर सामने आई है। इस पर अमेरिका ने कहा कि इस घटना की पूरी जांच की जाएगी। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका अपने सैन्य अभियानों में नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए सावधानी बरतता है और हर हमले की जांच की जाती है।

**हॉर्मुज जलडमरूमध्य में क्या रणनीति बना रहा है अमेरिका?:** पेंटागन के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा कि अमेरिका हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा पर विचार कर रहा है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिकी सेना जहाजों को सुरक्षा देने के लिए एस्कॉर्ट मिशन भी शुरू कर सकती है। इसके लिए संसाधन, कमान व्यवस्था और जोखिम का आकलन किया जा रहा है। पेंटागन के मुताबिक लड़ाकू विमान, बमवर्षक और मिसाइल हमलों की संख्या बढ़ाई जा रही है। अमेरिका का कहना है कि जब तक उसके लक्ष्य पूरे नहीं हो जाते, तब तक सैन्य अभियान जारी रहेगा।

## होर्मुज में तेल सप्लाई रोकी तो ईरान पर 20 गुना ज्यादा ताकत से करेंगे हमला, व्हाइट हाउस की चेतावनी

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल और सामान की आवाजाही रोकने की कोशिश करता है तो उसे भारी सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका का कहना है कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि दुनिया के इस अहम समुद्री रास्ते को बंद नहीं होने दिया जाएगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अभी तक अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले किसी भी तेल टैंकर या जहाज को एस्कॉर्ट नहीं किया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सेना यह कदम उठा सकती है। अमेरिका ने साफ किया कि समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखना उसकी प्राथमिकता है। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कर दिया है कि अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल या सामान की आवाजाही रोकने की कोशिश की तो उसे अब तक से 20 गुना ज्यादा ताकतवर जवाब दिया जाएगा। अमेरिका ने कहा कि उसकी सेना और सहयोगी देश इस समुद्री रास्ते को खुला रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाने के लिए तैयार हैं।

# होर्मुज में सुरंग बिछाने पर ट्रंप की कड़ी चेतावनी

## अमेरिकी सेना ने ईरान की 10 बारूदी नावों को किया नष्ट

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव और बढ़ गया है। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने इस अहम समुद्री रास्ते में बारूदी सुरंगें बिछाईं तो उसे ऐसा सैन्य जवाब मिलेगा जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार को बाधित नहीं होने देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संदेश जारी कर कहा कि अभी तक अमेरिका को यह पुख्ता जानकारी नहीं मिली है कि ईरान ने होर्मुज में सुरंगें बिछाई हैं। लेकिन अगर ऐसा किया गया है तो उन्हें तुरंत हटाया जाना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान सुरंगें हटाता है तो यह सही दिशा में बड़ा कदम होगा। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज में सुरंगें बिछाई और उन्हें तुरंत नहीं हटाया तो उसके गंभीर सैन्य परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ऐसी किसी भी नाव या जहाज को नष्ट कर देगी जो होर्मुज में सुरंग बिछाने की कोशिश करेगा। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह की हरकत करने वालों के खिलाफ तेजी से और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

### क्या अमेरिका ने ईरान की नौकाओं पर हमला किया?

ट्रंप ने एक और बयान में कहा कि अमेरिकी सेना ने हाल के घंटों में माइन बिछाने वाली 10 निष्क्रिय नौकाओं या जहाजों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया है। उनके मुताबिक ऐसी और नौकाओं के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी एक वीडियो जारी कर दावा किया कि अमेरिकी बल ईरान की समुद्री ताकत को कमजोर कर रहे हैं।

### होर्मुज जलडमरूमध्य इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है। दुनिया के कुल तेल व्यापार का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। इसलिए यहां किसी भी तरह की सैन्य गतिविधि या अवरोध का असर सीधे वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ता है।

### अमेरिका ने सैन्य अभियान को लेकर क्या संकेत दिए?

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका ने ईरान में जमीनी सेना भेजने के विकल्प को पूरी तरह खारिज नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का सैन्य अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के लक्ष्य पूरे नहीं हो जाते। अमेरिका का कहना है कि वह अपने सहयोगी देशों और वैश्विक समुद्री व्यापार की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। इस बीच पश्चिम एशिया में संघर्ष लगातार फैलता जा रहा है। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, बहरीन और जॉर्डन जैसे देशों में अमेरिकी ठिकानों और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। इस टकराव की वजह से वैश्विक तेल आपूर्ति और ऊर्जा बाजार पर दबाव बढ़ गया है।

## पहले कंफर्म किया, फिर डिलीट और अब सफाई दी... अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकर को एस्कॉर्ट करने पर बदला रुख

**वाशिंगटन, एजेंसी।** पहले पोस्ट करके पुष्टि की, फिर डिलीट किया और अब सफाई देनी पड़ी। डोनल्ड ट्रंप के सहयोगी ने बड़े ही घमंड से दावा किया था कि अमेरिकी नेवी ने मुश्किल में फंसे होर्मुज स्ट्रेट से एक ऑयल टैंकर को सफलतापूर्वक एस्कॉर्ट किया, जिसके बाद पोस्ट को तुरंत डिलीट कर दिया गया।

व्हाइट हाउस ने बाद में सफाई दी कि अमेरिका ने किसी भी ऑयल टैंकर को उस खास वॉटरवे से एस्कॉर्ट नहीं किया था, जो मिडिल ईस्ट में चल रहे संकट का सेंटर बना हुआ है।

एनर्जी सेक्रेटरी क्रिस राइट ने एक्स पर एक अब डिलीट हो चुकी पोस्ट में लिखा था, यूएस नेवी ने ग्लोबल मार्केट में तेल का फ्लो बनाए रखने के लिए होर्मुज स्ट्रेट से एक ऑयल टैंकर को सफलतापूर्वक एस्कॉर्ट किया।

इस कहानी में टर्न आने पर वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। एनर्जी सेक्रेटरी क्रिस राइट के शुरुआती पोस्ट के बाद तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई। बाद में राइट के एक्स पर पोस्ट पब्लिश करने के कुछ ही मिनट बाद उसे डिलीट करने के बाद कीमतों में कुछ नुकसान की भरपाई हुई।

इस बीच, व्हाइट हाउस ने दावे को सही करने की कोशिश की। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने एक ब्रीफिंग में कहा, मैं पुष्टि कर सकती हूं कि अमेरिकी नेवी

ने इस समय किसी टैंकर या जहाज को एस्कॉर्ट नहीं किया है, हालांकि यह एक ऑप्शन है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने भी इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि किसी भी यूएस नेवी जहाज ने होर्मुज स्ट्रेट के पास जाने की हिम्मत नहीं की और राइट के बयान को पूरी तरह झूठ बताया। तेहरान ने चेतावनी दी है कि जब तक युद्ध जारी है, खाड़ी से इसका कोई भी हिस्सा एक्सपोर्ट नहीं किया जाएगा। ऊर्जा विभाग के एक प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया, सेक्रेटरी राइट के ऑफिशियल एक्स अकाउंट से एक वीडियो क्लिप डिलीट कर दी गई थी, क्योंकि पता चला कि डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी के स्टाफ ने इसे गलत कैप्शन दिया था।

# युद्ध में क्लस्टर बम का इस्तेमाल कर रहा ईरान, तेहरान ने जारी किया हमले का वीडियो

**तेल , एजेंसी।** पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच इस्राइल ने एक बड़ा दावा कर दुनियाभर की चिंताओं को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। दावा यह है कि ईरान इस युद्ध में उसके खिलाफ क्लस्टर म्यूनिशन यानी क्लस्टर बमों का इस्तेमाल कर रहा है। ये ऐसे हथियार होते हैं जो हवा में फटकर दर्जनों छोटे बमों को बड़े इलाके में फैला देते हैं, जिससे आम नागरिकों के लिए खतरा कई गुना बढ़ जाता है। पश्चिम एशिया में बीते 12 दिनों से छिड़ा युद्ध अब और ज्यादा भयावह रूप लेता जा रहा है। ईरान और इस्राइल के बीच जारी हमलों की तेज होती आग ने पूरे इलाके को युद्ध के दहलीज पर ला कर खड़ा कर दिया। एक ओर इस्राइल पर मिसाइलों की बरसात हो रही है, तो दूसरी ओर अमेरिका और इस्राइल की जवाबी कार्रवाई ने हालात को विस्फोटक बना दिया है। इसी बीच अब इस्राइल ने सनसनीखेज दावा किया है कि ईरान इस युद्ध में बेहद खतरनाक क्लस्टर म्यूनिशन यानी क्लस्टर बमों का इस्तेमाल कर रहा है। इन हथियारों के कारण इस्राइल की पहले से ही दबाव में चल रही एयर डिफेंस प्रणाली के सामने अतिरिक्त चुनौती पैदा हो गई है और आम नागरिकों के लिए खतरा बढ़ गया है। बता दें कि क्लस्टर म्यूनिशन ऐसे हथियार होते हैं जिनमें एक

### ● आम लोगों के लिए खतरनाक कैसे?

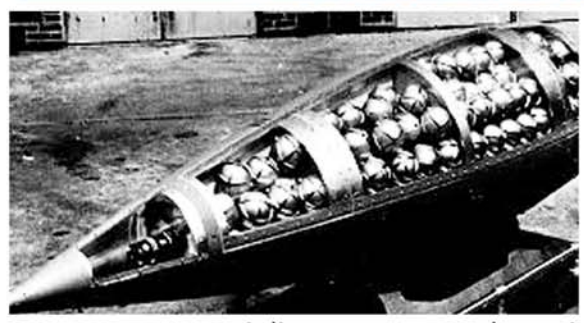

बड़ा मिसाइल या बम (जिसे पैरेंट म्यूनिशन कहा जाता है) हवा में ऊंचाई पर जाकर फटता है और उससे दर्जनों छोटे-छोटे बम (सब-म्यूनिशन या बॉम्बलेट) अलग-अलग दिशाओं में फैल जाते हैं। इतना ही नहीं ये छोटे बम लगभग 7 से 10 किलोमीटर की ऊंचाई पर फैलकर जमीन की ओर गिरते हैं और कई सौ मीटर से लेकर कई किलोमीटर तक के इलाके में फैल सकते हैं। रात के समय ये गिरते हुए नारंगी रंग की आग के गोले जैसे दिखाई दे सकते हैं।

दूसरी ओर ईरान के सरकारी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) ने हमले का वीडियो जारी किया है। वीडियो में दिख रहा है कि क्लस्टर बम इस्राइल के आसमान में फटता है और इसके अंदर से कई छोटे बम अलग-अलग जगह गिरते हैं। आईआरआईबी ने बताया कि ईरान ने यह हमला अमेरिका और इस्राइल के आक्रमणों के जवाब में किया। इस हमले में दक्षिणी तेल अवीव के हेइला उपग्रह संचार केंद्र, बेयर याकोव, पश्चिमी यरूशलम और हाइफा में मौजूद सैन्य केंद्रों को निशाना बनाया गया।

इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि क्लस्टर बम इमारतों को उतना नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन खुले में मौजूद लोगों, गाड़ियों और दुकानों को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। इस्राइल के सुरक्षा विशेषज्ञ येहोशुआ कालिस्की के अनुसार क्लस्टर बम असल में इमारतों से ज्यादा लोगों को नुकसान पहुंचाने के लिए खतरनाक होते हैं। ऐसे में इस्राइल में इसका ज्यादा खतरा इसलिए है, क्योंकि ईरान के कई हमले घनी आबादी वाले इलाकों की ओर किए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टस में दावा किया जा रहा है कि हाल ही में इस्राइल में एक निर्माण स्थल पर क्लस्टर बमों के कारण कम से कम तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से दो लोग मंगलवार को मध्य इस्राइल में मारे गए। दूसरी ओर इस बात में भी कोई दोहराई नहीं है कि इस्राइल के पास एरो मिसाइल डिफेंस सिस्टम, जो लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए है और आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम, जो छोटी दूरी के रॉकेट को स्थिर है। ऐसी दुनिया की उन्नत एयर डिफेंस प्रणालियां हैं। लेकिन समस्या तब होती है जब मिसाइल हवा में ही फटकर कई छोटे बम फैला देती है। अगर ऐसा हो जाए तो उन्हें रोकना लगभग असंभव हो जाता है क्योंकि दर्जनों छोटे बम अलग-अलग दिशाओं में गिरने लगते हैं। हालांकि क्लस्टर बमों के साथ एक बड़ी समस्या यह भी है कि इनके कई छोटे बम फटते ही नहीं। ऐसे बम जमीन पर पड़े रहते हैं और बाद में किसी के छूने या हलचल से लैंडमाइन की तरह फट सकते हैं।

## ब्रीफ न्यूज

### एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर 2026

हैदराबाद। भारत की वेल्स पर 4-1 से जीत, नवनीत कौर ने किए तीन गोल एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर 2026 में, भारतीय टीम ने हैदराबाद में पूल बी के मुकाबले में वेल्स को 4-1 से हराया। मैच में नवनीत कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल किए, वही साक्षी राणा ने भी एक गोल किया। इस जीत के साथ, भारत ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब कल सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की भिड़ंत इटली से होगी।

### भविष्य में सैमसन को बनाया जा सकता है भारतीय टी20 टीम का कप्तान: कैफ

मुम्बई । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद अब सवाल उठाता है कि उनके बाद किसे कप्तानी दी जानी चाहिये। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भविष्य में कप्तानी दी जा सकती है क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कप्तानी का लंबा अनुभव है। कैफ के अनुसार सैमसन के पास वह अनुभव और मानसिक ठहराव है, जो किस कप्तान के पास होना जरुरी है। उन्होंने कहा, संजू ही कप्तान बन सकते हैं उसमें सभी योग्याताएं हैं। मेरा मानना है कि कप्तान वही अच्छा होता है जिसने दुनिया देखी हुई है। कैफ के अनुसार, किसी नए खिलाड़ी को सीधे कप्तानी सौंपना नुकसानदे हो सकता है, क्योंकि उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठिन हालातों का सामना नहीं किया होता है।

### हार्दिक को पीठ पर तिरंगा बांधकर जश्न मनाना भारी पड़ा

#### वकील ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी

पुणे । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के बाद अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ जश्न मानना भारी पड़ है। हार्दिक जश्न के दौरान पीठ पर तिरंगा झंडा बांधे हुए थे और महिका के साथ अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे थे। इसी को लेकर एक वकील ने वाजिद खान ने पंड्या के खिलाफ राष्ट्रध्वज की गरिमा को ठेस पहुंचाने की शिकायल दर्ज करायी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भारतीय टीम की जीत के बाद सभी खिलाड़ी खुशी मना रहे थे। इस दौरान सभी तस्वीरें भी खिंचा रहे थे। इसी दौरान हार्दिक और उनकी गर्लफ्रेंड महिका की हरकतों पर शिकायतकर्ता वकील ने आपति जतायी है। उनका कहना है कि पंड्या जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नाच रहे थे जबकि उनकी पीठ पर राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। वहीं राष्ट्रीय ध्वज अधिनियम के अनुसार, हमें राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का सम्मान करना चाहिए पर हार्दिक अपनी जीत के जश्न में इतने डूब गये थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ राष्ट्रीय ध्वज बांधकर मैदान में लेटे नजर आये। जो राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। गौरतब है कि वाजिद के अलावा कई और लोगों ने भी हार्दिक और महिका की हरकतों को देखते हुए सोशल मीडिया पर इन दोनो को फटकारा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिका के कारण ही हार्दिक पंड्या और उनके बड़े भाई क्रुणाल पंड्या के बीच मतभेद पैदा हो गये हैं। इसी कारण क्रुणाल न तो फाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे और न ही उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया पर ही बधाई दी। हार्दिक का अपनी पहली पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टानकोविक से तलाक को गया है।

#### द्रविड़ को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिलेगा

# गिल को क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड देगा बीसीसीआई

**नईदिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित करेगा। वहीं, पूर्व भारतीय खिलाड़ी और हेड कोच राहुल द्रविड़ को कर्नल सीके नायडू लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया जाएगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने यह जानकारी दी है।

एजेंसी के मुताबिक, 15 मार्च को दिल्ली में बीसीसीआईका एनुअल अवॉर्ड प्रोग्राम होगा। इस दौरान आयुष म्हात्रे को लाला अमरनाथ अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। म्हात्रे की कप्तानी में भारत इसी साल की शुरुआत में अंडर-19 वनडे वर्ल्ड कप अपने नाम किया था। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को भी लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मुंबई एसोसिएशन को बेस्ट क्रिकेट एसोसिएशन का पुरस्कार दिया जाएगा। हालांकि अब तक इसे लेकर बीसीसीआई के तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। गिल पिछले साल तीनों फॉर्मेट के टॉप स्कोरर साल 2025 में भारतीय कप्तान गिल का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 983 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज में 70 से ज्यादा की औसत से बनाए गए 754 रन शामिल थे। वनडे में भी गिल ने 490 रन बनाए और भारत के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाई। कुल मिलाकर उन्होंने सभी फॉर्मेट में 49 की औसत से 1764 रन बनाए, जिसमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे।

**अन्डर-19 वर्ल्डकप जिताने वाले म्हात्रे भी सम्मानित होंगे**




#### द्रविड़ ने भारत को 2024 में टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनाया

द्रविड़ को टेस्ट क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में गिना जाता है, उन्होंने टेस्ट में 13,288 और वनडे में 10,889 रन बनाए। कोच के रूप में उनके कार्यकाल में भारत ने आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें टीम वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची और 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता।

शुभमन गिल

#### द्रविड़ ने भारत को 2024 में टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनाया

द्रविड़ को टेस्ट क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में गिना जाता है, उन्होंने टेस्ट में 13,288 और वनडे में 10,889 रन बनाए। कोच के रूप में उनके कार्यकाल में भारत ने आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें टीम वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची और 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता।

### स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट: पुरुष सिंगल्स प्री-क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला हांगकांग से होगा



स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स प्री-क्वार्टर फाइनल में आज भारत के किरण जॉर्ज का मुकाबला हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा। किरण ने कल सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को हराया। वहीं, हांगकांग के जेसन गुनावन ने पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत को मात दी थी। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने डेनमार्क के जेस्पर टॉफ्ट और अमाली मैगेलुंड को 21-15, 21-14 से हराकर उलटफेर किया। यह जोड़ी आज रात चीन के गाओ जिया जुआन और वू मेंग यिंग से खेलेगी। महिला सिंगल्स में मालविका बसोड को हार का सामना करना पडा। तन्वी शर्मा और उन्नति हुडा पहले ही हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं।

# अब नेट्स शेयर नहीं कर सकेंगी आईपीएल टीमें

#### बीसीसीआई ने प्रैक्टिस सेशन की गाइडलाइन जारी की; 2 प्रैक्टिस मैच खेल सकेंगी

**मुंबई।** बीसीसीआई ने आईपीएल टीमों के प्रैक्टिस सेशन को लेकर नई गाइडलाइन जारी की हैं। इसके अनुसार कोई भी टीम उस नेट या पिच पर प्रैक्टिस नहीं कर सकेगी, जिस पर दूसरी टीम पहले अभ्यास कर चुकी हो। हर टीम को अभ्यास के लिए अलग और नए नेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

अगर दो टीमें अलग-अलग समय पर अभ्यास करती हैं तो भी पहली टीम के इस्तेमाल किए नेट दूसरी टीम को नहीं दिए जाएंगे। अगर कोई टीम जल्दी अभ्यास खत्म कर देती है, इस स्थिति में भी दूसरी टीम उसकी रेंज-हिटिंग पिच का उपयोग नहीं कर पाएगी।

आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से होगी। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जाएगा। बीसीसीआई ने एक दिन पहले 11 मार्च को आईपीएल 2026 का शेड्यूल जारी किया है।

**प्रैक्टिस गाइडलाइन की 3 बातें...**

हर टीम 2 प्रैक्टिस मैच ही खेल सकेगी

फ्लडलाइट में प्रैक्टिस मैच की अवधि अधिकतम साढ़े तीन घंटे होगी। हर टीम को बीसीसीआई की परमिशन के बाद ज्यादा से ज्यादा 2 प्रैक्टिस मैच खेलने की अनुमति होगी। हालांकि, ये मुकाबले मुख्य पिच पर नहीं खेले जाएंगे, बल्कि साइड विकेट पर आयोजित किए जाएंगे।

#### मैच से 4 दिन पहले तक मेन पिच पर प्रैक्टिस या ट्रेनिंग नहीं

किसी फ्रेंचाइजी के पहले घरेलू मैच से 4 दिन पहले तक मुख्य पिच पर कोई अभ्यास सत्र या प्रैक्टिस मैच नहीं होगा, ताकि पिच को सीजन के लिए तैयार किया जा सके। प्रैक्टिस सेशन के समय तय करने में होम टीम को प्राथमिकता दी जाएगी। अगर दोनों टीमें एक ही समय पर अभ्यास करना चाहें और आपस में सहमति नहीं बने। ऐसे में बीसीसीआई हस्तक्षेप कर अभ्यास के अलग-अलग समय स्लॉट तय करेगा।

# मैच फिक्सिंग के आरोप पर वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाज सस्पेंड

#### आईसीसी ने टाइटंस फ्रेंचाइजी के 2 अधिकारियों को भी निलंबित किया

**ब्रिजटाउन।** आईसीसी ने बारबाडोस में 2023-24 बिम10 टूर्नामेंट के दौरान भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के उल्लंघनों के कारण तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जावोन सर्ल्स टाइटन्स फ्रेंचाइजी के मालिक चित्ररंजन राठौड़ और टीम अधिकारी ट्रेवन ग्रिफिथ को भी सभी प्रकार के क्रिकेट से निलंबित कर दिया है। सर्ल्स पर क्रिकेट वेस्टइंडीज की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तहत चार आरोप लगाए गए हैं। वे वेस्टइंडीज अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वह कैरेबियाई प्रीमियर लीग में त्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेले थे और 2018 मेंआईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए भी खेल चुके हैं। तीनों पर मैच फिक्सिंग, प्लेयर्स को भ्रष्ट गतिविधियों के लिए उकसाने और जांच में सहयोग न करने के आरोप लगाए गए हैं। सर्ल्स-ग्रिफिथ पर भ्रष्ट प्रस्तावों की जानकारी अधिकारियों को न देने का भी आरोप है। ग्रिफिथ पर जांच में बाधा डालने और जानकारी से छेड़छाड़ करने का भी आरोप लगाया गया है।

**जैवोन सर्ल्स का करियर**

फर्स्ट: 9
विकेट: 26
बेस्ट: 6/44
लिस्ट ए: 17
विकेट: 21
बेस्ट: 3/23
टी-20: 56
विकेट: 29
बेस्ट: 4/5

# क्रिकेटर कुलदीप की शादी में होगी 20 हजार की थाली

#### शादी का कार्ड राधा-कृष्ण थीम पर, सुनहरी नक्काशी में दिखी रजवाड़े जैसी झलक

**मसूरी।** भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ शादी करने जा रहे हैं। शादी में शामिल होने के लिए कानपुर से परिवार और रिश्तेदार मसूरी रवाना हो चुके हैं। यह शादी 14 मार्च (शनिवार) को मसूरी के आलीशान 'वेलकम होटल द सेवॉय' में होगी। इसके तीन दिन बाद यानी 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी आयोजित की जाएगी।

कुलदीप और वंशिका ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी। इस शादी का बजट 2 करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना है। कुलदीप और वंशिका की शादी का खूबसूरत और शाही वेडिंग कार्ड भी सामने आया है। निमंत्रण पत्र की थीम राधा-कृष्ण पर आधारित है। इसकी बनावट, नक्काशी और उस पर उकेरी गई कलाकृतियां किसी शाही रजवाड़े का अहसास कराती हैं। कार्ड की कीमत करीब 2200 रुपये बताई जा रही है। वहीं, मेहमानों के लिए वेज और नॉनवेज दोनों तरह के व्यंजन रखे गए हैं। खाने की एक प्लेट की कीमत करीब 20 हजार रुपये है।

**शाही अंदाज और बारीक नक्काशी**

कार्ड का बेस हल्के गुलाबी (पीच) रंग का है। इस पर बेहद बारीक फ्लोरल (फूल-पत्तियों) पैटर्न छपा है। कार्ड पर 'गोल्ड फॉयल वर्क' (सुनहरी नक्काशी) है। किनारों पर महल के गुंबदों और आकृतियों को उभारने के लिए सुनहरे रंग का इस्तेमाल किया है, जो इसे एक 3ष्ठ और विंटेज लुक देता है। कार्ड के ऊपरी हिस्से पर एक शानदार गोल्डन लॉक (बकल) है, जिसके ऊपर गुलाबी फूलों की डिजाइन बनी है।

# युवी से पावर हिटिंग सीख रहे पंत

#### आईपीएल से पहले स्टांस बदला, पिछले सीजन में 269 रन ही बना सके थे

**मुंबई ।** आईपीएल के पिछले सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद ऋषभ पंत अब युवराज सिंह से पावर हिटिंग की ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम में एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें पंत मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में युवराज की निगरानी में बड़े-बड़े शॉर्ट खेलने की प्रैक्टिस कर रहे हैं। इस वीडियो में युवराज सिंह उनकी तकनीक को ध्यान से देख रहे हैं। इतना ही नहीं, वे उन्हें बल्लेबाजी से जुड़े सुझाव भी देते नजर आ रहे हैं। पंत के लिए आईपीएल का पिछ्ला सीजन काफी खराब रहा था। वे एक शतकीय पारी के बावजूद महज 269 रन ही बना सके थे।

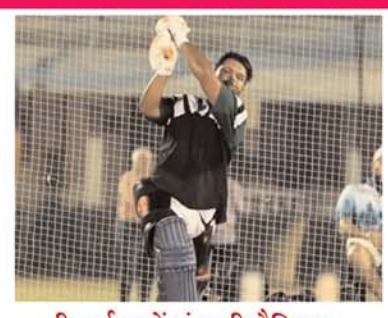



**जीआईफ में पंत की प्रैक्टिस लेफ्टी बॉलर्स के खिलाफ स्टांस बदला**

इस ट्रेनिंग सेशन में पंत ने ओपन स्टांस लिया यानी कि वे बाएं हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ थोड़े खुले पैरों के साथ बैटिंग करते दिखे। क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस बदलाव से उन्हें ऑफ-साइड में बड़े शॉट खेलने और बेहतर एंगल कवर करने में मदद मिलेगी। पंत चोट से वापसी कर रहे हैं। वे 11 जनवरी को भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से ठीक पहले चोटिल हो गए थे। ट्रेनिंग सेशन के दौरान थ्रोडाउनर की बॉल पंत की दाहिनी पसलियों पर लगी थी। वे इस सीरीज से बाहर हो गए थे। उन्होंने पिछ्ला इंटरनेशनल मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में 22 से 26 नवंबर 2025 को खेला था। उस टेस्ट मैच को साउथ अफ्रीका ने 408 रन से जीता था।

जर्मनी में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए बेयर लीवरकुशन और आर्सेनल के खिलाड़ी।

#### बोले- वर्ल्डकप टीम से बाहर होने का दुख छोटा लगा, मैं फिनिशर बनने को तैयार

# पिता के निधन के बाद जितेश की बदली सोच

**मुंबई।** भारती विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से उन्हें निराशा जरूर हुई थी, लेकिन कुछ ही समय बाद उनके जीवन में ऐसा व्यक्तिगत दुख आया जिसने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी।

जितेश के पिता मोहन शर्मा का 1 फरवरी को छोटी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने बताया कि उस समय वह सात दिन तक अपने पिता के साथ रहे और उसी दौरान उन्हें एहसास हुआ कि परिवार उनके लिए वर्ल्ड से भी ज्यादा महत्वपूर्ण था।

समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में जितेश ने अपने करियर के उतार-चढ़ाव और निजी जिंदगी पर खुलकर बात की।

**जितेश बोले- वर्ल्ड कप से ज्यादा मेरे पिता को मेरी जरूरत थी**

वर्ल्ड कप टीम से बाहर होने के अनुभव पर जितेश ने कहा,'जब मुझे पता चला कि मेरा सिलेक्शन नहीं हुआ है, तो मैं थोड़ा निराश था। आखिर मैं भी एक इंसान हूं और बुरा महसूस करना स्वाभाविक है।लेकिन कुछ ही समय बाद मेरे पिता बीमार हो गए और 1 फरवरी को उनका निधन हो गया। मैं उनके आखिरी सात दिनों में उनके साथ था। तब मुझे अहसास हुआ कि मेरे पिता को वर्ल्ड कप से ज्यादा मेरी जरूरत थी। उसके बाद मेरे मन में टीम से बाहर होने का कोई दुख नहीं रहा।

#### क्रिकेट ने सिखाई मजबूती

जितेश का कहना है कि क्रिकेट ने उन्हें इस दुख के साथ आगे बढ़ना सिखाया है। उन्होंने कहा,'अगर मेरे पिता आज जिंदा होते तो वह मुझे यही कहते कि जाओ और अभ्यास करो, मेरे बारे में चिंता मत करो। इसलिए जब भी मैं दुखी होता हूं, यही सोचता हूं कि वह मुझे खेलने और आगे बढ़ने की सलाह देते।

#### घर के बड़े बेटे की जिम्मेदारी, परिवार के सामने कमजोर नहीं हो सकता

पिता के जाने के बाद जितेश अब अपने परिवार में सबसे बड़े बेटे की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा,'जब आप अपने पिता को खो देते हैं, तब आपको समझ आता है कि अब परिवार के फैसले लेने की जिम्मेदारी आपकी है।मुझे अपनी मां और भाई का ख्याल रखना है। मैं उनके सामने अपनी भावनाओं को जाहिर नहीं कर सकता और न ही कमजोर दिख सकता हूं, क्योंकि जब मैं क्रिकेट खेलता हूं तो वे मुझे ही देख रहे होते हैं।'

# किसानों की आय बढ़ाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

## कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कृषि एवं संवर्गीय विभागों की ली समीक्षा बैठक

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने बीते शुक्रवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कृषि एवं संवर्गीय विभागों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुधन विकास एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की वर्तमान स्थिति, लक्ष्य की प्राप्ति तथा किसानों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली गई। कलेक्टर सुश्री ममगाई ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित आजीविका को मजबूत बनाने के लिए विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, फसल विविधीकरण तथा बागवानी को बढ़ावा देने के लिए निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। बैठक में कृषि विभाग की योजनाओं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि यंत्रीकरण, उन्नत बीज वितरण तथा विभिन्न कृषि विस्तार गतिविधियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि किसानों को समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने फल, सब्जी एवं बागवानी फसलों के रकबे में वृद्धि करने तथा किसानों को उद्यानिकी फसलों की ओर प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी फसलें किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, इसलिए इस क्षेत्र में योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जाए।पशुधन विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पशु टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, पशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा गौठानों में संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने पशुपालकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने तथा पशुधन आधारित आय बढ़ाने के लिए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने तालाबों में मत्स्य बीज संचयन, मत्स्य उत्पादन बढ़ाने तथा मत्स्य पालकों को उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए मत्स्य पालकों को तकनीकी मार्गदर्शन और योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए।बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने, प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

# खाद घोटाले की उच्च स्तरीय जांच हो, किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं - विधायक ब्यास कश्यप

**जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिन कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं आदिम जाति विकास विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने खाद वितरण में बड़े घोटाले का आरोप लगाते हुए इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की आत्मा खेती-किसानी में बसती है और किसान आज खाद-बीज की कमी व कालाबाजारी से बुरी तरह परेशान हैं।विधायक कश्यप ने कहा कि सरकारी सहकारी समितियों में यूरिया का स्टॉक खत्म बताया जाता है, जबकि वही यूरिया खुले बाजार में 1500 रुपये प्रति बोरा तक बेचा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की नोडल एजेंसी मार्कफेड द्वारा छत्तीसगढ़ के स्थानीय कारखानों को नजरअंदाज कर राजस्थान की एक निजी कंपनी के खाद को सोसायटियों में बिकवाया गया और इसके एवज में मोटा कमीशन लिया गया। सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) खाद की कीमतों में भी भारी अंतर बताते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी के बदले तीन बोरी एसएसपी का वितरण कमीशन के खेल का हिस्सा तो नहीं था। उन्होंने कहा कि खाद की कमी का सीधा असर उत्पादन पर पड़ा है। पूरे राज्य में धान उत्पादन घटा है—जहां इस वर्ष 149 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के मुकाबले केवल 141 लाख मीट्रिक टन की खरीदी हो सकी। जांजगीर-चांपा जिले में भी उत्पादन साढ़े छह लाख मीट्रिक टन से घटकर 6.10 लाख मीट्रिक टन रह गया है, जो किसानों को हुए नुकसान को दर्शाता है। विधायक ने ऋण वितरण में गिरावट पर भी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि पूर्व सरकार के समय जिले में 184 करोड़ रुपये का ऋण वितरण हुआ था, जो वर्तमान में घटकर 164 करोड़ रुपये रह गया है। जिला सहकारी बैंक बिलासपुर में यूपीआई सुविधा न होने से उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। उन्होंने बोनस भुगतान में आ रही दिक्कतों की ओर भी ध्यान दिलाया और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की।कृषि सुधारों पर जोर देते हुए विधायक कश्यप ने यूरिया, पोटाश और डीएपी के साथ जिंक, मैंगनीज व माइक्रो न्यूट्रिशन वाले उर्वरक उपलब्ध कराने, दलहनी-तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने और एमएसपी के अनुरूप भुगतान की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि पौष्टिक खाद न मिलने पर आने वाली पीढ़ी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझेगी।मत्स्य पालन पर चर्चा में उन्होंने कहा कि जांजगीर-चांपा में बारहमासी जलाशयों की प्रचुरता है, इसलिए मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा मिलना चाहिए। मछुआरा समुदाय को प्राथमिकता देने, उनके खिलाफ दर्ज मामलों पर पुनर्विचार करने और जिले में मत्स्य प्रशिक्षण केंद्र खोलने की मांग की गई।

# सरसीवा नगर पंचायत का कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने किया औचक निरीक्षण

**कलेक्टर ने सीएमओ को नगर की सफाई और कर वसूली करने के निर्देश दिए**

**कलेक्टर ने मांग पर सरसीवा बस स्टैंड में शौचालय निर्माण के निर्देश दिए**

**कलेक्टर ने मेन रोड की सफाई, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए**

**डॉ कन्नौजे ने अवैध कब्जा हटाने कार्य का किया निरीक्षण**

**सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका**

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सरसीवा नगर पंचायत कार्यालय का औचक निरीक्षण कर विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने नगर पंचायत की टैक्स वसूली की जानकारी ली। सीएमओ राकेश कुमार साहू ने बताया कि नगर पंचायत का पिछले एक वर्ष का कुल राजस्व वसूली लगभग 33 लाख रुपए है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नगर में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। सीएमओ ने जानकारी दी कि सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए डस्टबिन का ऑर्डर दिया गया है।

डोर-टू-डोर कचरा उठाव के संबंध में उन्होंने बताया कि फिलहाल इसका टेंडर नहीं हुआ है, लेकिन कुछ दिनों में यह कार्य शुरू कर दिया जाएगा।कलेक्टर ने नगर पंचायत कार्यालय के पास स्थित पुराने स्कूल भवन को ध्वस्त (डिसमेंटल) कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही नगर की सफाई और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए तथा मुख्य सड़क पर जमा कचरे की नियमित सफाई कर स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 31 आवास स्वीकृत हो चुके हैं, जिनमें से 7 का निर्माण कार्य जारी है। वहीं 756 लोगों के घर आबादी भूमि पर होने के कारण उनके आवास के लिए सत्यापन प्रक्रिया चल रही है, जिसके बाद उन्हें भी आवास स्वीकृत किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने बस स्टैंड सरसीवा में शौचालय निर्माण की मांग रखी, जिस पर कलेक्टर ने शीघ्र शौचालय बनाने के निर्देश दिए।

इसके अलावा कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सरसीवा से सराईपाली रोड पर अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की बाधा न आने देने के निर्देश दिए।

# गैस सिलेंडर की उपलब्धता पर कलेक्टर की समीक्षा, एजेंसियों को पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश

**कांकेर /मूक पत्रिका**

कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने शुक्रवार को जिले के गैस एजेंसी संचालकों की बैठक लेकर गैस सिलेंडर की उपलब्धता और उपभोक्ताओं को वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि घरेलू एवं कमर्शियल गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा जाए और उपभोक्ताओं को समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

साथ ही अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर का स्टॉक नहीं करने की अपील भी की गई।बैठक में ऑनलाइन बुकिंग में आ रही सर्वर संबंधी समस्या का जल्द समाधान करने तथा कमर्शियल गैस सिलेंडर की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऑयल कंपनियों से समन्वय करने की बात कही गई। अधिकारियों ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग के लिए शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की समय-सीमा निर्धारित है। उपभोक्ता इस अवधि के अनुसार बुकिंग कर गैस सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं। प्रशासन द्वारा इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और वर्तमान में जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है।जिले के नागरिकों से अपील की गई है कि घरेलू एवं कामर्शियल गैस सिलेण्डर की जमाखोरी से बचें, ऐसा करते पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। गैस एजेंसियों में अनावश्यक रूप से भीड़-भाड़ नहीं करने की समझाईश भी दी गई है।

# कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने ली स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक

**सारंगढ़-बिलाईगढ/ मूक पत्रिका**

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण, बच्चों और महिलाओ के स्वास्थ्य जांच, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी और जच्चा बच्चा को बचाने की मेडिकल सुविधा, अस्पतालों की स्थिति और विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जन औषधि केंद्रों की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पतालों एवं अन्य निर्माणाधीन स्वास्थ्य भवनों की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित इंजीनियरों को अधूरे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।बैठक में जिले के बीएमओ एवं अन्य डॉक्टर उपस्थित थे। जिले में होने वाले डिलीवरी केस की स्थिति की जानकारी लेकर कलेक्टर ने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक डिलीवरी स्वास्थ्य संस्थानों में कराने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए।

# अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर 3 हाइवा जब्त भंडारण व परिवहन पर की जा रही लगातार कार्रवाई ....

**जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका**

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर राजस्व, पुलिस एवं खनिज के अधिकारियों के द्वारा समन्वय बनाकर संयुक्त कार्रवाई किया जा रहा है।

कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण और रोकथाम हेतु और अधिक सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने राज्य शासन के निर्देशानुसार अवैध अफीम की खेती की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पटवारी, सचिव व कोटवार एवं नगरीय क्षेत्रों में पटवारी, नगर पालिका/पंचायत की टीम द्वारा संयुक्त रूप से सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही राजस्व, पुलिस एवं वन विभाग के अधिकारियों को किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। खनिज अधिकारी ने बताया कि जिला उडनदस्ता दल द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण के कुल 591 प्रकरण दर्ज किया गया है। जिसमें 1 करोड़ 67 लाख 32 हजार 540 रूपये वसूल कर खनिज मद में जमा कराया गया है। उन्होंने कहा कि अवैध उत्खननकर्ताओं, परिवहनकर्ताओं, भण्डारणकर्ताओ के विरूद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमावली 2015 के नियम 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत दण्डात्मक कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर के निर्देशन में राजस्व एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए बम्हडीहीह अंतर्गत अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करते पाये जाने पर 3 हाइवा जब्त कर थाना बम्हनीडीह सुपुर्द किया गया है।

# महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पुलिस विभाग की टीम द्वारा एक नवजात शिशु को किया गया सुरक्षित संरक्षण प्रदान ...

**जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका**

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनीता अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजेन्द्र सिंह जायसवाल के नेतृत्व में एक नवजात शिशु को सुरक्षित संरक्षण प्रदान किया गया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि ग्राम बिर्रा क्षेत्र अंतर्गत बनडभरा निवासी मनोज कश्यप (पिता रामप्रसाद कश्यप, उम्र 30 वर्ष) द्वारा पुलिस विभाग को सूचना दी गई कि उनके बाड़ी के बाथरूम के दीवार के किनारे जमीन पर एक अज्ञात नवजात बालक असुरक्षित एवं लावारिस अवस्था में पड़ा हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात महिला द्वारा नवजात को परित्याग करने के आशय से वहां छोड़ दिया गया था। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस विभाग के सहयोग से जिला बाल संरक्षण इकाई की टीम एवं चाइल्ड लाइन के सदस्य तत्काल मौके पर पहुंचे और नवजात शिशु को सुरक्षित वहां से निकालकर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकीय जांच के बाद शिशु स्वस्थ पाया गया। आगे की प्रक्रिया के तहत नवजात शिशु को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा शिशु के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए उसे तत्काल मातृ छाया विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी, कोरबा में सुरक्षित संरक्षण प्रदान किया गया है।

# जगदलपुर में बन रहे एंथ्रोपोलॉजिकल म्यूजियम के निर्माण में गड़बड़ी का आरोप

**जगदलपुर, बस्तर/मूक पत्रिका**

बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में निर्माणाधीन एंथ्रोपोलॉजिकल म्यूजियम के निर्माण कार्य में अनियमितता और घटिया गुणवत्ता के आरोप सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि इस परियोजना के लिए शासन द्वारा लगभग 62 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी क्रम में आज दिनांक को सर्व आदिवासी समाज बस्तर संभाग की एक निरीक्षण टीम निर्माण स्थल का जायजा लेने पहुंची। टीम का उद्देश्य म्यूजियम के निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी लेना था। निरीक्षण के दौरान समाज के सदस्यों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में कई प्रकार की अनियमितताएं दिखाई दे रही हैं। जब समाज के लोग भवन के अंदर निरीक्षण के लिए प्रवेश करना चाह रहे थे, तब वहां मौजूद लोक निर्माण विभाग (क्कङ्खष्ठ) के इंजीनियर द्वारा उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया। इस बात को लेकर इंजीनियर और समाज के सदस्यों के बीच कुछ समय तक तू-तू मैं-मैं की स्थिति भी बन गई।निरीक्षण टीम का कहना है कि निर्माणाधीन भवन के पिलर ठीक तरह से नहीं बनाए गए हैं और अभी से उनमें दरारें (क्रैक) दिखाई देने लगी हैं। जानकारी के अनुसार यह म्यूजियम भवन सात मंजिला प्रस्तावित है, जबकि फिलहाल केवल तीन मंजिल तक ही निर्माण हुआ है। टीम का आरोप है कि भवन की नींव भी कमजोर बनाई जा रही है, जिससे भविष्य में भवन की मजबूती और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं।समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि अभी से निर्माण कार्य में दरारें और कमजोरियां दिखाई दे रही हैं, तो ऐसे में यह सवाल उठता है कि भवन कितने समय तक सुरक्षित खड़ा रह पाएगा।वहीं इस पूरे मामले में मौके पर मौजूद इंजीनियर का कहना था कि यदि भविष्य में भवन को कोई नुकसान होता है या किसी प्रकार की दुर्घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी।सर्व आदिवासी समाज के सदस्यों का कहना है कि बस्तर क्षेत्र के विकास के लिए बनने वाली महत्वपूर्ण परियोजनाओं में यदि इस तरह की लापरवाही बरती जाएगी, तो इसका नुकसान आने वाली पीढ़ियों को उठाना पड़ सकता है।

समाज के लोगों ने निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच कराने और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने की मांग की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।